राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 27 जून 2025 वर्ष-8,अंक-128 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शुभांशु 28 घंटे का सफर पूरा कर पहुंचे इंटरनेशनल स्पेस स्टेशनः आईएसएस पर पहुंचने वाले पहले भारतीय

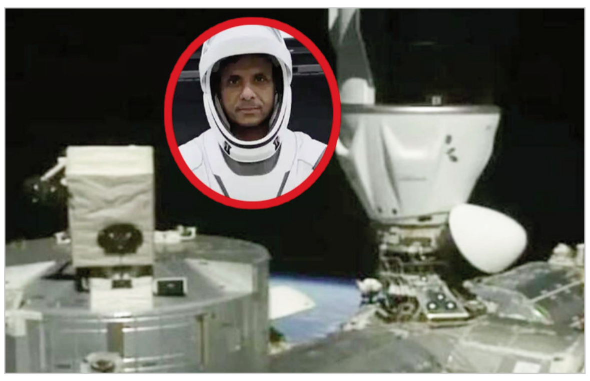

फ्लोरिडा।

भारत के लिए आज का दिन ऐतिहासिक है! दरअसल भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने अंतरिक्ष में एक नई उपलब्धि हासिल कर ली है। वे इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) पहुंचने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। 28 घंटे का लंबा अंतरिक्ष सफर पूरा करने के बाद, 26 जून को भारतीय समयानुसार शाम 4ः01 बजे शुभांशु और उनके तीन विदेशी साथी आईएसएस पर पहुंच गए हैं।

जानकारी अनुसार इस सफर के पूरा होने के साथ ही करीब दो घंटे बाद, यानी शाम 6 बजे स्पेस स्टेशन का हैच खुला और सभी अंतरिक्ष यात्री उसके अंदर दाखिल हुए। शुभांशु अगले 14 दिन आईएसएस में रहते हुए विज्ञान, स्वास्थ्य और माइक्रोग्रैविटी से जुड़े विभिन्न शोध करेंगे।

1984 के बाद दूसरी ऐतिहासिक उड़ान

शुभांशु शुक्ला से पहले 1984 में राकेश शर्मा ने सोवियत स्पेस मिशन के तहत अंतरिक्ष यात्रा की थी। शुभांशु अंतरिक्ष में जाने वाले दूसरे भारतीय, लेकिन आईएसएस पर कदम रखने वाले पहले भारतीय बन गए हैं।

शुभांशु ने कहा- नमस्कार फ्रॉम स्पेस!

उड़ान के बाद लाइव संवाद में शुभांशु ने कहा- नमस्कार फ्रॉम स्पेस! मैं यहां एक बच्चे की तरह सीख रहा हूं - कैसे चलना है, कैसे खाना है। जब रॉकेट लॉन्च हुआ, तो लगा जैसे सीट में पीछे धकेले जा रहे हों। फिर एकाएक सब शांत हो गया। बेल्ट खोलते ही हम वैक्यूम की शांति में तैरने लगे। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ उनकी नहीं, बल्कि पूरे भारत की सामूहिक उपलब्धि है और इस सफलता के लिए उन्होंने अपने परिवार, वैज्ञानिकों और सभी सहयोगियों का धन्यवाद किया।

एक्सियम मिशन 4 के तहत उड़ान

शुभांशु एक्सियम स्पेस के एएक्स-4 मिशन के तहत अंतरिक्ष में गए हैं। यह मिशन 25 जून को दोपहर 12 बजे अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा और स्पेसएक्स के सहयोग से लॉन्च किया गया था। भारत के लिए यह उपलब्धि सिर्फ अंतरिक्ष विज्ञान का विस्तार ही नहीं बल्कि वैश्विक मंच पर वैज्ञानिक नेतृत्व की दिशा में एक और सशक्त कदम है। शुभांशु का यह मिशन और उनके अनुभव आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा प्रदान करते रहेंगे।

पहला कॉलम

हिंदी भाषा को लेकर शाह बोले- हिंदी सभी भारतीय भाषाओं की मित्र

भाषा राष्ट्र की आत्मा और हमें अपनी मातृभाषा पर गर्व होना चाहिए

नई दिल्ली।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को राजभाषा विभाग के स्वर्ण जयंती समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदी सभी भारतीय भाषाओं की मित्र भाषा है। उन्होंने भारतीय भाषाओं और हिंदी की महत्ता पर जोर देते हुए कहा कि भाषा सिर्फ संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा होती है।

समारोह को संबोधित करते हुए गृहमंत्री शाह ने कहा, कि हम किसी भी भाषा के विरोध में नहीं हैं और न ही किसी विदेशी भाषा से ही हमारा बैर होना चाहिए, लेकिन आग्रह अपनी भाषा के महिमामंडन का होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक व्यक्ति अपनी भाषा में सोचने, बोलने और उस पर गर्व करने की मानसिकता नहीं अपनाता, तब तक वह गुलामी की मानसिकता से मुक्त नहीं हो सकता। उन्होंने जोर देकर कहा कि हमें अपने युवाओं और भावी पीढ़ियों को अपनी भाषा में सोचने और अभिव्यक्ति के लिए प्रेरित करना चाहिए।

हिंदी के साथ अन्य भारतीय भाषाएं आगे बढ़ें

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने स्पष्ट कहा कि हिंदी किसी भी भारतीय भाषा की दुश्मन नहीं हो सकती। हिंदी सभी भारतीय भाषाओं की मित्र है। उन्होंने आगे कहा कि हिंदी और अन्य भारतीय भाषाएं मिलकर ही देश के स्वाभिमान और सांस्कृतिक मूल्यों को आगे ले जा सकती हैं। इसके साथ ही, उन्होंने सभी भाषाओं को समृद्ध करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। इस प्रकार राजभाषा के इस समारोह में शाह ने जो विचार रखे, वह केवल भाषा की बात नहीं, बल्कि राष्ट्र की चेतना और सांस्कृतिक आत्मनिर्भरता की ओर इशारा करते हैं। हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं के आपसी सहयोग और सम्मान से ही देश अपनी अस्मिता को और मजबूत बना सकता है।

लगातार बारिश के कारण फिर बंद हुआ हिमकोटि मार्ग, माता वैष्णो देवी के दर्शन पुराने मार्ग से चालू

श्रीनगर।

माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए 12 मास लोग आते है। हर मौसम में मां के द्वार खुले रहते हैं। बारिश के समय भी दर्शन करने वालों की संख्या काफी ज्यादा रहती है। लेकिन कुछ समय से माता वैष्णो देवी की पहाड़ियों पर लगातार बारिश हो रही है। जिससे तीर्थयात्रा मार्ग फिर बाधित हो गया है, इस साल यह तीसरी बार है जब नए हिमकोटि मार्ग को बंद करना पड़ा है। अधिकारियों के अनुसार, लगातार बारिश के कारण हिमकोटि मार्ग पर बड़ा भूस्खलन हुआ है, इससे करीब 30 फीट मलबा और बड़े-बड़े पत्थर मार्ग को अवरुद्ध कर रहे हैं। परिणामस्वरूप, सुरक्षा कारणों से मार्ग पर बैटरी कार, केबल कार और हेलीकॉप्टर सेवाओं को अस्थायी रूप से निलंबित किया है। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर राहत और निकासी अभियान तेजी से शुरू किया। जबकि नया मार्ग बंद है, यात्रा को पारंपरिक पुराने मार्ग से जारी रखने की अनुमति दी जा रही है। श्राइन बोर्ड के अधिकारी ने कहा, यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, यात्रा को मूल मार्ग पर मोड़ दिया गया है। आपदा प्रबंधन कर्मियों के साथ हमारी टीमें युद्ध स्तर पर मलबा साफ कर रही हैं। अधिकारियों ने तीर्थयात्रियों से सतर्क रहने, केवल अधिकृत मार्गों का अनुसरण करने और मौसम संबंधी सलाह का सख्ती से पालन करने का आग्रह किया है। आगंतुकों की सहायता और मार्गदर्शन के लिए अतिरिक्त कर्मियों को जमीन पर तैनात किया गया है।

एससीओ की बैठक में राजनाथ सिंह सुनाते रहे खरी-खरी, पाकिस्तान सिर झुकाए सुनता रहा

बीजिंग।

भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एससीओ यानी शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में आतंकवाद पर पाकिस्तान को जमकर सुनाई। इस मौके पर पाकिस्तान सिर झुकाए चुपचाप सुनता रहा। सिंह ने कहा कि हमने दिखा दिया है कि आतंकवाद के केंद्र अब सुरक्षित नहीं हैं और हम उन्हें निशाना बनाने में संकोच नहीं करेंगे। राजनाथ ने कहा, कुछ देश सीमा पार आतंकवाद को एक नीति के रूप में अपना रहे हैं और आतंकियों को पनाह दे रहे हैं। एससीओ को ऐसे दोहरे मापदंड अपनाने वाले देशों की आलोचना करने में हिचक नहीं दिखानी चाहिए। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का उदाहरण देते हुए कहा, हमने दिखा दिया है कि आतंकवाद के केंद्र अब सुरक्षित नहीं हैं और हम उन्हें निशाना बनाने में संकोच नहीं करेंगे। एससीओ के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भारत ने आतंकवाद के मुद्दे पर सख्त रुख अपनाते हुए पाकिस्तान को आड़े हाथों लिया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि कुछ देश आतंकवाद को सरकारी नीति के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं और ऐसे देशों की खुलकर आलोचना होनी चाहिए। राजनाथ सिंह जब पाकिस्तान की पोल खोल रहे थे तब पाकिस्तान के रक्षा मंत्री भी वहां मौजूद थे। रक्षा मंत्री ने एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक में कहा, कुछ देश सीमा पार आतंकवाद को नीति के साधन के रूप में इस्तेमाल करते हैं और आतंकवादियों को पनाह देते हैं। ऐसे दोहरे मानदंडों के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। एससीओ को ऐसे देशों की आलोचना करने में संकोच नहीं करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, भारत का मानना है कि संवाद और सहयोग के लिए तंत्र बनाकर देशों के बीच संघर्ष को रोकने के लिए सहयोग बनाने में मदद कर सकता है। कोई भी देश, चाहे वह कितना भी बड़ा और शक्तिशाली क्यों न हो, अकेले काम नहीं कर सकता है। राष्ट्रों को अपने पारस्परिक और सामूहिक लाभ के लिए एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करना होगा। यह हमारी सदियों पुरानी कहावत सर्वे जना सुखिनो भवन्तु को भी दर्शाता है, जिसका अर्थ है सभी के लिए शांति और समृद्धि।

बैठक के दौरान रक्षा मंत्री ने अप्रैल में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का उल्लेख करते हुए कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सभी सदस्य देशों को एकजुट होकर काम करना होगा। राजनाथ सिंह ने कहा, आतंकवाद कहीं भी, किसी के द्वारा और किसी भी मकसद से किया जाए, वह अपराध है और अक्षम्य है। हमें आतंकवादियों के साथ-साथ उनके प्रायोजकों, फंड देने वालों और संगठकों को भी न्याय के कटघरे में लाना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि आज की सबसे बड़ी चुनौतियां कट्टरपंथ, आतंकवाद और विश्वास की कमी हैं। उन्होंने कहा, शांति और समृद्धि आतंकवाद के साथ नहीं चल सकती। हमें कठोर और सामूहिक कार्रवाई करनी होगी।

अमरनाथ यात्रा को लेकर बालटाल बेस कैंप में सुरक्षा बलों की मॉक ड्रिल

दोनों रूट पर फेस रिक्गनिशन सिस्टम

श्रीनगर।

3 जुलाई से शुरू हो रही अमरनाथ यात्रा की तैयारी के लिए बालटाल बेस कैंप में सुरक्षा बलों ने मॉक ड्रिल की। जिसमें जम्मू-कश्मीर पुलिस, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, 49 बटालियन सीआरपीएफ, सेना, स्वास्थ्य विभाग और फायर बिग्रेड सहित कई एजेंसियों ने हिस्सा लिया। ये सभी संभावित आतंकी हमलों, प्राकृतिक आपदाओं के आने पर तीर्थयात्रियों को सुरक्षित निकालने की तैयारियों की जांच कर रहे थे। इधर, इस साल अमरनाथ यात्रा को लेकर सुरक्षा एजेंसियों ने यात्रा रूट के जंगलों में बने ढोक (झोपड़ियों) की प्रोफाइलिंग व जियो टैगिंग शुरू की है। वन विभाग पुलिस वैरिफिकेशन के बिना यात्रा रूट पर अब किसी ढोक को बनाने की परमिशन नहीं देगा। संदिग्ध झोपड़ियों पर यूएवी सर्विलांस, मोबाइल जैमर और एआई-सक्षम ट्रैकिंग लागू की जा रही है। गौरतलब है कि अमरनाथ यात्रा में 3 जुलाई से 9 अगस्त तक चलेगी। पहलगाम आतंकी हमले को देखते कई नए इंतेजाम किए जा रहे हैं। दोनों रूट पर फेस रिक्गनिशन सिस्टम (एफआरएस) लगाया गया है। यह सिस्टम ब्लैक लिस्टेड लोगों और घाटी में सक्रिय आतंकियों के कैमरे में आते ही सुरक्षा बलों को अलर्ट करेगा। आतंकियों और संदिग्ध ओवरग्राउंड वर्कर्स की तस्वीरें सिस्टम में अपलोड की गई हैं। काफिले की सुरक्षा के लिए पहली बार जैमर लग रहे हैं, इससे केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) सुरक्षा प्रदान करेगी। सशस्त्र बलों की 581 कंपनियां तैनात की जाएगी। करीब 42000 से 58,000 जवान तैनात किए जा रहे है। यात्रा रूट पर यात्रियों की सुरक्षा के लिए 156 कंपनियां पहले से जम्मू-कश्मीर में तैनात थीं, जबकि 425 नई कंपनियों को 10 जून तक तैनात किया जाएगा। इतना ही नहीं श्रद्धालुओं को कंधे पर बिठाकर ले जाने वाले पोनी वालों का वैरिफिकेशन होगा। क्रिमिनल रिकॉर्ड वाले पोनी/पिट् ठू सर्विस चलाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके साथ ही घोड़े-खच्चर की भी टैगिंग की गई है, जिन पर बैठकर श्रद्धालु यात्रा पर जाएंगे। ताकि रूट से हटने पर उन्हें रियल टाइम ट्रैक किया जा सके। रोड ओपनिंग पार्टी, खतरों पर तुरंत एक्शन के लिए क्विक एक्शन टीम, बॉम्ब डिफ्यूजल स्क्वॉड, के9 यूनिट्स (विशेष रूप से प्रशिक्षित खोजी कुत्ते) और ड्रोन से निगरानी होगी।

आज से शुरु हो रही जगन्नाथ रथ यात्रा, 8 जुलाई तक चलेगी

भगवान जगन्नाथ, भाई और बहन के साथ मौसी के घर गुंडिचा जाएंगे

पुरी।

ओडिशा के पुरी में विश्व प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर से आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष में रथ यात्रा निकाली जाती है। इस साल जगन्नाथ रथ यात्रा की शुरूआत 27 जून यानी शुक्रवार से होगी। इस दिन भगवान जगन्नाथ अपने बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ अलग-अलग रथों पर सवार होंगे। वे तीनों रथों पर सवार होकर मौसी के घर गुंडिचा जाएंगे। भगवान जगन्नाथ रथ नंदीघोष पर भाई बलभद्र रथ तालध्वज पर और सुभद्रा रथ दर्पदलन पर सवार होंगी। जगन्नाथ रथ यात्रा 27 जून से शुरू होकर 8 जुलाई तक चलेगी। यह यात्रा का कार्यक्रम 12 दिन का है। रथ यात्रा की तैयारी और पहले से ही शुरू हो जाती है। पंचांग के मुताबिक जगन्नाथ रथ यात्रा की शुरुआत आषाढ़ शुक्ल द्वितीया तिथि से होती है। इस साल आषाढ़ शुक्ल द्वितीया तिथि 26 जून को दोपहर 1ः24 मिनट से लेकर 27 जून को 11ः19 मिनट तक है। उदयातिथि के आधार पर आषाढ़ शुक्ल द्वितीया तिथि 27 जून को है। इसलिए जगन्नाथ रथ यात्रा की शुरुआत 27 जून से होगी। यात्रा के शुभारंभ के दिन सर्वार्थ सिद्धि योग, पुनर्वसु और पुष्य नक्षत्र होंगे। सर्वार्थ सिद्धि योग सुबह 5ः25 से 7ः22 तक है। उसके बाद से पुष्य नक्षत्र है। इस दिन का शुभ समय यानि अभिजीत मुहूर्त सुबह 11ः56 से दोपहर 12ः52 तक है।

2026 के बंगाल विधानसभा चुनाव में 50 से भी कम सीटें जीतेगी बीजेपी-अभिषेक बनर्जी

कोलकाता।

तृणमूल के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने कहा कि 2026 में होने वाले बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा को 50 से कम सीटें जीतेगी। बनर्जी ने कहा कि मैं वादा करता हूं कि 2026 में भाजपा द्वारा जीती गई सीटों की कुल संख्या 50 से कम होगी। 2021 में, भाजपा की गिनती 77 पर रुकी थी। मैंने कहा था कि 2024 के लोकसभा चुनाव में तृणमूल की सीटें बढ़ेंगी, यह सच साबित हुआ। बनर्जी ने भाजपा नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी पर हमला कर कहा कि अधिकारी ने दावा किया था कि अगर वह नहीं होते, तब ममता बनर्जी दीदी से दादी बन जातीं। उन्होंने 2020 में पार्टी छोड़ दी। उसके बाद, ममता बनर्जी 2021, 2023 के पंचायत चुनावों में कैसे जीत गईं? उन्होंने कहा कि उनके भाजपा में शामिल होने के बाद पार्टी ने एक भी चुनाव नहीं जीता। बंगाल में हुए सभी 11 उपचुनावों में भाजपा हार गई। उन्होंने कहा कि वे यहां ऑपरेशन बंगाल चलाएंगे, जिसका मतलब है कि वे विधायकों को खरीद सकते है।

गूगल के वाइस प्रेसिडेंट ने एसवी प्रणदान ट्रस्ट को 1 करोड़ रुपये का दान दिया

तिरुपति।

गूगल के वाइस प्रेसिडेंट थोटा चंद्रशेखर ने तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीपी) के अंतर्गत संचालित एसवी प्रणदान ट्रस्ट को 1 करोड़ रुपये का दान दिया है। यह दान गुरुवार को तिरुमला में टीटीपी अध्यक्ष बी. आर. नायडू को चेक सौंपकर किया गया। रिपोर्ट के अनुसार एसवी प्रणदान ट्रस्ट, तिरुमला तिरुपति देवस्थानम का एक धर्मार्थ ट्रस्ट है। यह ट्रस्ट आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को मुफ्त या रियायती दरों पर मेडिकल सुविधा देता है। गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों की मदद करता है। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम यानी टीटीडी ने इस दान के लिए चंद्रशेखर की सराहना की और इसे समाजिक कार्यों के लिए जरूरी बताया।

चंद्रशेखर की इस पहल को टीटीडी अधिकारियों ने कृतज्ञता के साथ स्वीकार किया। अध्यक्ष नायडू ने चंद्रशेखर को धन्यवाद देकर कहा कि यह दान न केवल श्रद्धा का प्रतीक है, बल्कि समाज के जरूरतमंदों के प्रति जिम्मेदारी का भी उदाहरण है। तिरुमला

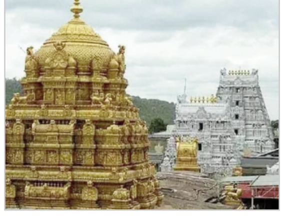

स्थित भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर, जिसे तिरुपति बालाजी मंदिर कहा जाता है, दुनियाभर में हिंदुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है।यह मंदिर विश्व के सबसे समृद्ध मंदिरों में से एक है और हर साल करोड़ों श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए आते हैं।

तिरुवनंतपुरम में खड़ा एफ-15बी, अमेरिकी स्टील्थ फाइटर जेट को करना होगा किराया भुगतान

तिरुवनंतपुरम।

केरल के तिरुवनंतपुरम इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर 14 जून की रात से खड़े अमेरिका में बने एफ-35बी लड़ाकू विमान पर अब हवाई अड्डा पार्किंग शुल्क लगाएगा। ब्रिटिश रॉयल नेवी का यह अत्याधुनिक स्टील्थ फाइटर जेट हाइड्रोलिक सिस्टम में आई खराबी की वजह से उड़ नहीं पा रहा है। इस फाइटर जेट को ठीक करने की ब्रिटिश और अमेरिकी इंजीनियरों की अबतक की सारी कोशिशें फेल हो चुकी हैं।

एयरपोर्ट ने विदेशी सेना के इस लड़ाकू विमान को फिलहाल बे-4 में रखा है, जो कि वीआईपी विमानों के लिए पार्किंग की जगह है। तिरुवनंतपुरम इंटरनेशनल एयरपोर्ट अभी तक यह नहीं तय कर पाया है कि उससे पार्किंग फीस और अन्य संबंधित शुल्कों के रूप में कितना वसूला जाएगा। इसका निर्धारण एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया की ओर से निर्धारित शुल्कों के हिसाब से ही होगा, जिसमें पिछले मार्च में ही बदलाव किया गया है। मीडिया रिपोर्ट में एयरपोर्ट सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि वे अभी तक यह नहीं तय कर पाए हैं कि जेट पर कितना शुल्क लगाया जाए। आमतौर पर, हवाई अड्डा संचालक विमान के वजन के आधार पर पार्किंग शुल्क लेता है। इस एफ-15बी स्टील्थ फाइटर जेट को 14 जून की रात पहले ईंधन की कमी की शिकायत के बाद इमरजेंसी लैंडिंग की अनुमति दी गई थी।

जानकारी के मुताबिक अमेरिका और ब्रिटेन के एक्सपर्ट इंजीनियरों की एक और टीम जल्द तिरुवनंतपुरम आएगी। अगर अमेरिका में बने इस अत्याधुनिक फाइटर जेट एफ-35बी को इंजीनियर अगर यहां ठीक नहीं कर पाए तो इसे किसी कार्गो प्लेन से ले जाने की कोशिश की जाएगी। ब्रिटिश हाई कमीशन के प्रवक्ता ने कहा कि हम तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर यूके के एफ-35बी को जल्द से जल्द ठीक करने के लिए काम कर रहे हैं। हम भारतीय अधिकारियों को उनके निरंतर सहयोग के लिए धन्यवाद देते हैं। इस बीच विमान की उड़ान में अनिश्चितता देखते हुए इसे हैंगर में ले जाने की बात भी चल रही थी, लेकिन ब्रिटिश नौसेना के अधिकारी इसके पक्ष में नहीं हैं। इससे पहले ब्रिटिश नेवी का जो पायलट लेकर इसे यहां लेकर आया था, वह भी इस विमान को अपनी नजरों से तबतक ओझल होने देने को तैयार नहीं हुआ।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आपातकाल के दौरान नसबंदी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हुआ था

(लेखक-संजय गोस्वामी)

लोगों में काफ़ी गुस्सा था। कभी गोली से मारे गए किसी व्यक्ति के परिवार की चीखें सुनाई देतीं, तो कभी किसी घायल व्यक्ति के अस्पताल में भर्ती होने की ख़बरें सुनाई देतीं। इसके मुख्य किरदार स्वर्गीय संजय गांधी थे, जो एक तानाशाह थे। उस समय लोग पटना के गोलघर से स्वर्गीय जयप्रकाश नारायण के धरना प्रदर्शनों को देखते थे क्योंकि अगर कोई उनके खिलाफ़ आवाज़ उठाता था, तो वह लोकनायक जयप्रकाश थे। हर दिन छात्र आंदोलन करते थे। कुछ को गोली मार दी जाती और कुछ खून से लथपथ हो जाते। मैं समझ नहीं पाया कि यह क्या था। बाद में मुझे पता चला कि हाईकोर्ट ने पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधी के चुनाव को अवैध घोषित कर दिया था।

जून 1975 में, इलाहाबाद उच्च न्यायालय (अब प्रयागराज) ने राजनीतिज्ञ राज नारायण द्वारा दायर चुनावी धोखाधड़ी के मामले में गांधी के खिलाफ फैसला सुनाया, जिन्हें गांधी ने 1971 के आम चुनाव में हराया था। अदालत ने उत्तर प्रदेश के रायबरेली निर्वाचन क्षेत्र में उनकी चुनावी जीत को रद्द कर दिया और आदेश दिया कि वे छह साल तक राजनीति से दूर रहें। गांधी ने इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की, लेकिन उन्हें अनुकूल जवाब नहीं मिला- उन्हें प्रधानमंत्री बने रहने की अनुमति दी गई, लेकिन उनके संसदीय विशेषाधिकार रद्द कर दिए गए और उन्हें वोट देने से रोक दिया गया। जैसे-जैसे उनके इस्तीफे की मांग बढ़ती गई, राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने गांधी की सलाह पर काम करते हुए 25 जून, 1975 को पूरे देश में आपातकाल की घोषणा कर दी। इस अवधि के दौरान, दिल्ली में बिजली काट दी गई, जहां अधिकांश मीडिया आउटलेट स्थित थे। कोई भी समाचार पत्र नहीं छप सका और भारतीयों को अगली सुबह ऑल इंडिया रेडियो के माध्यम से आपातकाल की खबर मिली। यह महीनों तक सख्त प्रेस सेंसरशिप की शुरुआत थी, जिसका मुख्य लक्ष्य गांधी द्वारा आपातकालीन शक्तियों के दावे, उनकी नीतियों और उनके बेटे संजय गांधी की कार्रवाइयों की आलोचना थी - जो कथित तौर पर जबरन नसबंदी जैसे कुछ सबसे बुरे दुर्व्यवहारों के लिए जिम्मेदार थे। सेंसरशिप आपातकाल के सांस्कृतिक चित्रण और उस अवधि के दौरान ली गई तस्वीरों के प्रकाशन तक फैली हुई थी।

निवारक निरोध कानूनों का इस्तेमाल इंदिरा गांधी के विरोधियों को जेल में डालने के लिए किया गया था, जिनमें देसाई, नारायण, फर्नांडीस और नारायण शामिल थे। कैद किए गए अन्य नेताओं में चरण सिंह, अटल बिहारी वाजपेयी (जो बाद में प्रधानमंत्री बने), लाल कृष्ण आडवाणी और मुलायम सिंह यादव शामिल थे। विपक्ष के हिरासत में होने के साथ, सरकार ने विधायी शक्तियों का विस्तार करने और न्यायपालिका के अधिकार को प्रतिबंधित करने के लिए संविधान में संशोधन किया। इन संशोधनों के परिणामस्वरूप, आपातकाल की न्यायिक समीक्षा समाप्त हो गई और प्रधानमंत्री के चुनाव को अब अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती थी। गांधी ने कई अलोकप्रिय नीतियों को भी लागू किया, जैसे कि सामूहिक नसबंदी - जिनमें से कुछ जबरन की गई थीं - जनसंख्या नियंत्रण के साधन के रूप में गरीब पुरुषों को लक्षित करना (यह पहल उनके बेटे संजय गांधी द्वारा की गई थी)। इसके अतिरिक्त, सरकार द्वारा ट्रेड यूनियनों और मज़दूरों के अधिकारों पर एक महत्वपूर्ण दमन किया गया, साथ ही दिल्ली में इमारतों को ध्वस्त किया गया जिससे हज़ारों निवासियों को विस्थापित होना पड़ा। पुलिस ने दो अलग-अलग मौकों पर नागरिक भीड़ पर भी गोलीबारी की- अप्रैल 1976 में दिल्ली के तुर्कमान गेट पर बर्बरता के खिलाफ़ प्रदर्शन के दौरान, और अक्टूबर 1976 में उत्तर प्रदेश के मुज़फ़्फ़रनगर में नसबंदी विरोधी प्रदर्शन के दौरान। आपातकाल के लगभग 50 साल पूरे हो चुके हैं, जिसमें देश आज़ादी के बाद अपने ही तानाशाही शासन से पीड़ित था। उस समय मेरी उम्र लगभग 5 साल थी।

लोगों में काफ़ी गुस्सा था। कभी गोली से मारे गए किसी व्यक्ति के परिवार की चीखें सुनाई देतीं, तो कभी किसी घायल व्यक्ति के अस्पताल में भर्ती होने की ख़बरें सुनाई देतीं। इसके मुख्य किरदार स्वर्गीय संजय गांधी थे, जो एक तानाशाह थे। उस समय लोग पटना के गोलघर से स्वर्गीय जयप्रकाश नारायण के धरना प्रदर्शनों को देखते थे क्योंकि अगर कोई उनके खिलाफ़ आवाज़ उठाता था, तो वह लोकनायक जयप्रकाश थे। हर दिन छात्र आंदोलन करते थे। कुछ को गोली मार दी जाती और कुछ खून से लथपथ हो जाते। मैं समझ नहीं पाया कि यह क्या था। बाद में मुझे पता चला कि हाईकोर्ट ने पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधी के चुनाव को अवैध घोषित कर दिया था। उन्हें धांधली और सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग के लिए सत्ता छोड़ने को कहा गया था। उस समय लोग कहते थे कि देखो हाईकोर्ट का जज कितना ताकतवर है और बाद में उनके सत्ता में बने रहने का विरोध हुआ। बदले में आपातकाल लगा दिया गया। उस समय मेरे पूज्य दादा स्वर्गीय कैलाश नारायण गोस्वामी मुझे पटना के गोलघर पर चढ़ने के लिए ले गए और वहां से बड़ी संख्या में लोग स्वर्गीय लोकनायक जयप्रकाश के साथ दूर से विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। पुलिस ने उन्हें जबरन जेलों में डाल दिया। मैं रेडियो पर कुछ सुनता था लेकिन जब मैंने दीवारों पर लिखा पाया कि नसबंदी के तीन एजेंट इंदिरा, संजय बंशी लाल, मुझे उस समय यह भी नहीं पता था कि नसबंदी क्या होती है और मैंने अपने परिवार में सबके सामने पूछा कि नसबंदी क्यों की जाती है रात को शहर में कुछ लोगों के रोने की आवाज सुनी। पता चला कि बिना टिकट यात्रा करने के कारण उनके बेटे को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नसबंदी तो हो गई थी लेकिन मुझे नहीं पता था कि इससे क्या होगा। मुझे लगा कि उसके अंग खराब हो जाएंगे और पेशाब में कुछ दिक्कत होगी। बाद में किसी ने कहा कि अब उसके बच्चे नहीं होंगे। तब मैं समझ नहीं पाया और मैंने 5 साल की उम्र में विनाश का दर्दनाक मंजर सुना।

बाद में कुछ ऐसा हुआ कि मैं भी समझ नहीं पाया नसबंदी से क्या होगा। सुनते हैं भगवान राम स्वयं संत के वेश में अत्याचारों का बदला लेने आए हैं क्योंकि लोगों ने बताया कि जिस संत की नसबंदी की गई थी और ऑपरेशन के लिए जिसके शरीर के बाल छीले गए थे, वह यह कहकर गायब हो गए कि संजय तुम यह सब क्रूरता कर रहे हो, तुम्हारी मृत्यु निकट है और मेरे यह सभी बाल रामायण में चले गए ताकि लोगों को पता चले कि भगवान राम भारत के दिल में बसते हैं और जब दादाजी ने रामायण खोली तो उन्हें उसमें बाल दिखाई दिए और मैंने भी लगभग सभी के घर में रामायण के अंदर छोटे-छोटे बाल देखे जो पन्नों के अंदर थे, बाद में वे गायब हो गए और जब आपातकाल खत्म हुआ तो उनकी खुद मृत्यु हो गई। जब संजय गांधी पटना के मंगल तालाब में भाषण देने आए तो मैंने कहा संजय गांधी बदमाश है, तुम उसका भाषण क्यों सुन रहे हो बाद में जब चुनाव का समय आया तो सरकार का इतना विरोध हुआ कि हल से घिरे किसान वाला कागज जनता दल को वोट देने के लिए बनाया गया और लोग चुनाव के लिए चंदा दे रहे थे और उस समय मेरे पिताजी ने 20 रुपए का दान दिया जो उस समय के हिसाब से बहुत बड़ी रकम थी क्योंकि उस समय 1 पैसे में भी एक चॉकलेट मिल जाती थी।

बाद में जब इंदिरा गांधी की कांग्रेस पार्टी का चुनाव चिन्ह पंजा निशान था, बाद में जनता पार्टी की जीत हुई तो लोगों में उत्साह देखा गया और शायद स्वर्गीय मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री बने जो एक भारतीय राजनीतिज्ञ और स्वतंत्रता सेनानी थे जिन्होंने 1977 से 1979 के बीच भारत के प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया और जनता पार्टी द्वारा बनाई गई सरकार का नेतृत्व किया। कुछ वर्षों के बाद सुनने में आया कि इंदिरा गांधी फिर से प्रधानमंत्री बन गई हैं तो लोगों ने बताया कि साहूकारों की दाल, चावल और सोने के दाम बढ़ गए हैं और जनता महंगाई से त्रस्त है। इसी बीच लोगों ने यह भी कहा कि कुछ भी हो जाए सरकार तो कांग्रेस ही चला सकती है। फिर भी मेरे घर में लोग उन्हें पसंद नहीं करते थे। लेकिन रेडियो पर उनके भाषण ने मुझे इस तरह बदल दिया कि जब इंदिरा गांधी पटना के गांधी मैदान में भाषण देने आईं तो मेरा घर पटना शहर से करीब 10 किलोमीटर दूर था और मैंने अपने पिता से जिद की कि मुझे ले चलें, जिस पर मेरे पिता ने मुझे थप्पड़ मार दिया, जिस पर मेरी मां ने मेरे पिता को डांटा और कहा कि मुझे ले चलें. मां के दिल में ऐसा प्यार है जो अमर है. उसका स्नेह और सहानुभूति बहुत अधिक है. इसलिए एक बात जान लीजिए कि मां आपको दिल से प्यार करती है और जितना आप सेवा करेंगे, उतना ही आपको फल मिलेगा. मैंने भाषण सुना. वहां काफी भीड़ थी. उसके बाद मैं छठ पूजा के लिए अपने नानी के घर नयागांव गया. उस समय गांव में क्या हो रहा था? गाने सुनना, लोग ताश खेल रहे थे, खेतों में क्रिकेट खेल रहे थे, गंगा में नहाना और फिल्में देखना. वो अनमोल पल थे. उस साधु ने पहले ही बता दिया था और लोगों में कोई दु:ख नहीं देखा गया था। इसलिए जैसा बोओगे वैसा काटोगे। यही भगवान ने सिखाया है।

अत्याचार मत करो और जब भी धर्म यानी मानवता खतरे में आएगा, मैं तुम्हें बचाने आऊंगा। बाद में जब मैं आठवीं कक्षा में गया तो मुझे कक्षा में नसबंदी के बारे में पता चला। कि पुरुष के शुक्राणु और महिला के अंडाणु के मिलन से बच्चा पैदा होता है। यह भी शिक्षक ने कक्षा में नहीं बल्कि अकेले में बताया था। वे जीव विज्ञान के शिक्षक थे। खैर, यह दुनिया को चलाने के लिए भगवान द्वारा बनाई गई एक प्रक्रिया है, जिसका अपना महत्व है।

संपादकीय

फिर अंतरिक्ष में दस्तक

अमेरिका के एक्सियम-4 मिशन में तीन अंतरिक्ष यात्रियों के साथ इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के लिये भारतीय शुभांशु शुक्ला का रवाना होना, निश्चय ही भारत के लिए अंतरिक्ष में एक मील का पत्थर साबित होगा। यह गर्व की बात है कि स्क्वाड्रन लीडर राकेश शर्मा के अंतरिक्ष में कदम रखने के 41 साल बाद कोई भारतीय अंतरिक्ष में पहुंचा है। दरअसल, ह्यूस्टन स्थित एक्सियम स्पेस नामक अमेरिकी कंपनी ने यह मिशन नासा व स्पेस एक्स के साथ मिलकर शुरू किया है। इस मिशन में ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के साथ पौलेंड, हंगरी व अमेरिका के अंतरिक्ष यात्री भी हैं। यूं तो अंतरिक्ष यात्रियों में कल्पना चावला व सुनीता विलियम्स का नाम लिया जाता है, लेकिन वे भारतीय मूल की थीं, भारतीय नहीं। दरअसल, एक्सियम-4 का सफल प्रक्षेपण इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसे भारत के महत्वाकांक्षी मानव मिशन गगनयान की पहली सीढ़ी माना जा रहा है। इस मिशन के अनुभवों से गगनयान अभियान की सफलता में मदद मिलेगी। दरअसल, गगनयान भारत का पहला स्वदेशी मानव मिशन है, जिसके तहत भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को 2027 में अंतरिक्ष मिशन पर भेजा जाना है। एक्सियम-4 मिशन को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के बीच हुए समझौते ने गति दी थी। जिसके चलते हम चार दशक बाद किसी दूसरे भारतीय को अंतरिक्ष में भेजने में सफल हो सके। कई तकनीकी कारणों से इस उड़ान में विलंब हुआ, लेकिन अंतत- अंतरिक्ष यान का सफल प्रक्षेपण संभव हुआ। दरअसल, गगनयान के अलावा इसरो भारत के कई महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष मिशनों पर तेजी से काम कर रहा है। इसमें वर्ष 2035 तक एक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन बनाना और किसी भारतीय को चांद पर भेजना शामिल है। एक्सियम-4 मिशन को इन्हीं महत्वाकांक्षी अभियानों की आधारशिला बताया जा रहा है। एक अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था में एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री को जो अनुभव मिलेंगे, उसका लाभ हमारे भविष्य के अंतरिक्ष मिशनों को कामयाब बनाने में मिलेगा, क्योंकि इसरो को अभी तक अंतरिक्ष में मानव मिशन का अनुभव नहीं है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1984 में भारतीय वायुसेना के अधिकारी राकेश शर्मा ने तत्कालीन सोवियत संघ के सैल्यूट-7 अंतरिक्ष स्टेशन पर लगभग आठ दिन बिताए थे। अब इस कड़ी में ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला का नाम भी जुड़ गया है। जिनका अनुभव निकट भविष्य में होने वाले अंतरिक्ष मिशनों में मददगार साबित होगा। निस्संदेह, पिछले एक दशक में भारत ने अंतरिक्ष के क्षेत्र में बड़ी प्रगति की है। चंद्रयान और मंगलयान अभियान की सफलता ने इसरो की क्षमताओं को प्रदर्शित किया है। मोदी सरकार का आत्मनिर्भरता पर जोर स्वदेशी तकनीक और लागत प्रभावी समाधानों के जरिये रहा है। भारत की कोशिश है कि मानवयुक्त उड़ानों के लिये उसे अमेरिका व रूस पर निर्भर न रहना पड़े। यह एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें चीन हमसे आगे है। भारत का महत्वाकांक्षी गगनयान अभियान इसी दिशा में इसरो की पहल है, ताकि भारत भी रूस, अमेरिका व चीन के समकक्ष वैश्विक अंतरिक्ष शक्ति के रूप में उभर सके। इसी कड़ी में भारत 2040 तक किसी भारतीय को चंद्रमा पर भेजने की भी महत्वाकांक्षा रखता है। ये असंभव नहीं है, लेकिन अभी हमें इस दिशा में बहुत कुछ करना बाकी है।

कागजों में घटी गरीबी, बढ़ा रोजगार?

(लेखक- सनत जैन)

सरकार की रिपोर्ट कहती हैं, देश में गरीबी घटी है। रोजगार के अवसर बढ़े हैं। यदि यह सच है, तो यह परिवर्तन देश की अर्थव्यवस्था और सामाजिक जीवन में क्यों नहीं दिख रहा है। आंकड़ों की चमकदार प्रस्तुति के बावजूद देश की युवा आबादी बेरोजगारी की मार झेल रही है। रोजगार के मोर्चे पर वास्तविक सुधार तब नजर आएगा जब मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को ध्यान में रखकर केंद्र सरकार द्वारा नीति बनाई जाएगी। भारत की कुल खपत का 95 प्रतिशत हिस्सा लघु एवं मध्यम उद्योगों द्वारा उत्पादित वस्तुओं से पूरा होता था। इसके बावजूद इन क्षेत्रों को वह प्रोत्साहन नहीं मिला, जो उन्हें मिलना चाहिए। वैश्विक बाजार में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाने, निर्यात को बढ़ावा देने और स्थानीय रोजगार सृजन के लिए लघु एवं मध्यम उद्योगों को तकनीकी और वित्तीय सहयोग जो जरूरी था वह नहीं मिला। इन क्षेत्रों में यदि उत्पादन होता तो रोजगार भी यहीं से आता। यही गरीबी उन्मूलन रोजगार और आर्थिक विकास की असली कुंजी बन सकता था। कागजों पर गरीबी घटाना आसान है। आंकड़ों के जरिए मन माफिक तरीके से रिकॉर्ड तैयार कर लिया जाता है। इस रिकॉर्ड के आधार पर दावा भी कर दिया जाता है, लेकिन यह वास्तविक हकीकत से दूर होता है। असली जरूरत तो गरीबी, बेरोजगारी और महंगाई को जमीनी सच्चाई की हकीकत में बदलना है। यह काम कागजों से नहीं होगा। वास्तविक हकीकत के लिए सिर्फ सेवा क्षेत्र या डिजिटल इंडिया जैसे अभियानों पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। भारत को उत्पादन प्रधान अर्थव्यवस्था की ओर लौटना होगा। पिछले एक दशक में चीन के उत्पाद भारत में आकर बिक रहे हैं। भारत के लघु और मध्यम उद्योग खत्म होते चले जा रहे हैं। भारत एक ट्रेडिंग का हब बन गया है। बाहर से सामान आता है और यहां बिकता है। ग्रामीण एवं छोटे नगरों में छोटे कारखाने, हस्तशिल्प, कृषि आधारित उद्योग और नवाचार आधारित उत्पादक भारतीय अर्थव्यवस्था की रीड की हड्डी हैं। इसी हड्डी को पिछले 1 साल में कमजोर किया गया है। लघु एवं मध्यम उद्योगों को छोटे-छोटे रोजगार को ध्यान में रखते हुए केंद्र और राज्य सरकार यदि नियम एवं कानून बनाती हैं तो उससे बेरोजगारी और महंगाई से निजात मिलेगी। लोगों की आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। 2014 में जब से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार आई है उसके बाद सभी क्षेत्रों में 100 फ़ीसदी विदेशी निवेश को अनुमति दे दी गई है। उसके बाद भारत में लघु एवं मध्यम दर्जे के उद्योग बुरी तरह से चरमरा गए हैं। केंद्र एवं राज्य सरकारों ने जो नियम और कानून तैयार किए हैं उसके कारण ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में लाखों रोजगार के अवसर हर साल बंद होते जा रहे हैं। अब तो मिठाई की दुकान में भी डिब्बा बंद सामग्री मिलती है। यह सामग्री या तो मशीनों से तैयार होती है या विदेश से आती है। स्थानीय उत्पाद पूरी तरह से खत्म हो गया है। छोटे-छोटे उद्योग धंधे पूरी तरह से खत्म हो गए हैं, जिसके कारण बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है। केंद्र सरकार पिछले एक दशक से यह कहती आ रही है कि हमने रोजगार के लिए बैंक से ऋण उपलब्ध कराया है, जिससे रोजगार बढा है। बैंकों से जिन्होंने कर्ज लिया वह कर्ज की किस्त भी नहीं अदा कर पाए। बैंक ने उन्हें डिफाल्टर घोषित कर दिया है। बैंक अब सख्ती से पैसे वसूल कर रहे हैं। वास्तविकता यही है जिसे सरकार देखकर भी अनदेखा कर रही है। आज भारत के पास युवा जनसंख्या है। डिजिटल कौशल और घरेलू मांग भी है। यदि इन तीनों को लघु उद्योगों और निर्माण क्षेत्र से स्थानीय आधार पर जोड़ा जाएगा तो इससे न केवल रोजगार बढ़ेगा, बल्कि गरीबी भी सही मायने में तेजी के साथ घटेगी। सरकार की नीतियां तब ही सफल मानी जाएंगी, जब नीतियों के लाभ आम जन जिसमें गरीब और मध्यम वर्ग दोनों हों। तभी देश का तेजी के साथ विकास होता है। हर हाथ को काम मिलता है। लोगों की क्रय शक्ति बढ़ती है। वर्तमान स्थिति में सरकार को वास्तविक स्थितियों के साथ नीतियां बनानी होंगी। सरकार अपनी लोकप्रियता को देखते हुए सच से मुंह छुपाती है। आंकड़ों के जरिए अपने चेहरे को चमकाने का प्रयास करती है। लेकिन यह प्रयास ज्यादा समय तक नहीं चलता है। वर्तमान में अमीरों के पास धन बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहा है। गरीब और गरीब होता चला जा रहा है। आम जनता के ऊपर कर्ज का बोझ बढ़ता चला जा रहा है। आम जनता के पास खर्च करने के लिए पैसे नहीं हैं। गरीबों के पास बच्चों को खिलाने के लिए पोषण आहार नहीं है। छोटे और मध्यम रोजगार पूरे देश भर में पिछले कुछ वर्षों में बड़ी तेजी के साथ बंद हुए हैं। सरकार को वास्तविकता को समझते हुए नीति बनाने की जरूरत है। शेयर बाजार और बड़े लोगों के ढंग से बड़ी हुई जीडीपी कोई काम नहीं आती है। इसे भी सरकार को ध्यान में रखना होगा।

(चिंतन-मनन)

प्रोध का जवाब प्रोध नहीं

एक बार एक ब्राह्मण ने महात्मा बुद्ध को अपने घर आकर, भोजन करने का निमंत्रण दिया। जब बुद्ध वहां पहुंचे तो उन्होंने पाया कि ब्राह्मण ने उन्हें किसी अन्य मकसद से वहां बुलाया था। ब्राह्मण उनकी निंदा करने लगा और उन्हें अपशब्द कहने लगा। बुद्ध ब्राह्मण के वचनों के वार चुपचाप सहते रहे। अंत में बुद्ध ने कहा,हे ब्राह्मण जी, क्या आपके घर में मेहमान आते रहते हैं? हां, आते हैं। ब्राह्मण ने उत्तर दिया। बुद्ध ने पूछा,जब मेहमान आते हैं तो आप उनके लिए क्या भोजन बनाते हैं? ब्राह्मण ने उत्तर दिया,हम एक बड़े भोज की तैयारी करते हैं। बुद्ध ने पूछा, अगर वे नहीं आते तो आप क्या करते हैं? ब्राह्मण बोला, हम भोज स्वयं खा लेते हैं। बुद्ध बोले,अच्छा, तुमने मुझे भोजन पर बुलाया पर तुमने मेरा स्वागत कठोर वचनों और आलोचना से किया। लगता है कि जो भोज तुम मुझे परोसने वाले थे, वह इसी का है। मैं तुम्हारे द्वारा परोसे भोजन को नहीं खाना चाहता। कृपया इसे वापस ले लो और स्वयं खाओ। बुद्ध ने महसूस किया कि जो भोज उन्हें दिया गया था, वह खाद्य पदार्थों का नहीं, बल्कि गालियों का था। उन्होंने वापस मुड़कर ब्राह्मण का तिरस्कार करने और उसे अपशब्द कहने के बजाय उसके प्रोध को स्वीकार नहीं किया। बल्कि वे उस स्थान से चले गए। इस प्रकार, प्रोध उसी के साथ रहा जो उसे प्रकट कर रहा था। महात्मा बुद्ध के शिष्य यह देख रहे थे। बुद्ध ने उन्हें सलाह दी, कभी उस रूप में बदला न लो जिस रूप में सलूक आपके साथ हुआ हो। घृणा कभी घृणा से खत्म नहीं होती। कई बार हमारा सामना ऐसे लोगों से होता है जो हमें बुरा-भला कहते हैं। उनके स्तर पर उतरने की जगह हमें उनके उपहारों को स्वीकार नहीं करना चाहिए। तब उनका प्रोध उनके साथ ही रहेगा। जब हम घटना स्थल से हट जाएंगे तो वे अपने आपको, अपने प्रोध के साथ अकेला पाएंगे। वे चकित होंगे कि उनके प्रोध के बावजूद हम प्रेममय बने रहे। वे हमें आदर देने के लिए हमारे पास आ सकते हैं। जैसे दिन गुजरे और हमारा सामना ऐसे लोगों से हो जो हमारे प्रति प्रोध और आलोचना से भरे हों तो हम उनके वचनों को शांति से सुनें। हमें यह देखना चाहिए कि उनके वचनों में क्या कोई सच्चाई है। अगर ऐसा है तो हम उनके वचनों से कुछ सीखें और अपने आपको सुधारें। अगर उनके वचनों में कुछ भी सत्य नहीं है, तब हम उनके प्रोध के उपहार को स्वीकार न करें। हम उनके स्तर पर न उतर आएं। हम उनके प्रतिकूल वातावरण में शांति डालें। हमें प्रोध के उपहार को उनके पास छोड़ देना चाहिए और अपने शांत, खुशहाल रास्ते पर चल देना चाहिए।

विचार मंथन

देश की एकता व अखंडता के लिये ख़तरनाक है भाषाई विवाद

(लेखिका-निर्मल रानी)

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले दिनों नई दिल्ली में एक पूर्व आईएएस अधिकारी द्वारा लिखित एक पुस्तक का विमोचन किया। इसी कार्यक्रम के दौरान उन्होंने एक वाक्य बोलकर राष्ट्रीय स्तर पर भाषाई विवाद को जन्म दे दिया। गृह मंत्री ने कहा कि इस देश में अंग्रेज़ी बोलने वालों को शर्म आएगी, ऐसा समाज निर्माण अब दूर नहीं है। उत्तर से लेकर दक्षिण तक अमित शाह के इस बयान की काफ़ी तीखी आलोचना हुई। कुछ लोगों ने अंग्रेज़ी को रोज़गार परक भाषा बताया तो कुछ का मानना था कि आत्मविश्वास के लिए अंग्रेज़ी का ज्ञान अत्यंत आवश्यक है। जबकि कुछ नेताओं ने इस बयान को भारत की भाषाई बहुलता को कमज़ोर करने और हिंदी थोपने के प्रयास की नज़रों से देखा। आश्चर्य की बात तो यह है कि भारत सरकार के ही अनेक मंत्री ऐसे हैं जो धाराप्रवाह अंग्रेज़ी बोलते हैं। कई प्रमुख मंत्री हैं तो ऐसे भी हैं जो अंग्रेज़ी में प्रभावी ढंग से संवाद करने के लिए ही जाने जाते हैं। उदाहरण के तौर पर वित्त और कॉरपोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण अंग्रेज़ी में अत्यंत धाराप्रवाह हैं। वे जेएनयू से अर्थशास्त्र की डिग्री धारक है। वित्तीय नीतियों पर वैश्विक मंचों जैसे जी 20 पर उनके भाषण उनके अंग्रेज़ी बोलने के कौशल को दर्शाते हैं। इसी तरह विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर, जो पूर्व राजनयिक भी रहे हैं, अंग्रेज़ी में असाधारण रूप से धाराप्रवाह हैं। वह अंतरराष्ट्रीय मंचों, प्रेस कॉन्फ़्रेंस और कूटनीतिक चर्चाओं में प्राय: अंग्रेज़ी का व्यापक उपयोग करते हैं। इसी प्रकार सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी अंग्रेज़ी बड़े ही आत्मविश्वास के साथ बोलते हैं, विशेष रूप से बुनियादी ढांचे और निवेश से संबंधित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में उनकी धारा प्रवाह अंग्रेज़ी उनकी क़ाबलियत में चार चाँद लगाती है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, आवासन और शहरी कार्य मंत्री हरदीप सिंह पुरी, यह भी पूर्व राजनयिक हैं तथा अंग्रेज़ी में उत्कृष्ट संवाद का कौशल रखते हैं। वह संयुक्त राष्ट्र और अन्य वैश्विक मंचों पर अंग्रेज़ी भाषा के माध्यम से ही भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। इसी तरह नागरिक उड्डयन और इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, जोकि हार्वर्ड और स्टैनफ़ोर्ड से शिक्षित हैं अंग्रेज़ी में अत्यंत धाराप्रवाह हैं और संसद व अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इसका उपयोग करते हैं। अमेरिका में शिक्षित और प्रशिक्षित चिकित्सक ग्रामीण विकास और संचार राज्य मंत्री डॉ. पेम्मासानी, जो हैं, अंग्रेज़ी में पूरी तरह से पारंगत हैं। इस तरह के अनेक उदाहरण हैं विशेषकर दक्षिण भारत के अधिकांश सांसद व मंत्री अंग्रेज़ी में संवाद करते हैं।

ऐसे में अमित शाह का यह कहना कि ऐसा समाज निर्माण अब दूर नहीं है कि इस देश में अंग्रेज़ी बोलने वालों को शर्म आएगी,इसका अर्थ निकालना व इसका विश्लेषण करना बेहद ज़रूरी है। क्यों शर्म आयेगी अंग्रेज़ी बोलने वालों को ? स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी जब विदेश जाते हैं तो प्रॉम्प्टर पर ही सही परन्तु अंग्रेज़ी में ही भाषण देकर भारत का पक्ष रखते हैं ? कश्मीर से कन्याकुमारी तक आप कहीं भी चले जाइये ,यदि आप क्षेत्रीय भाषा बोल पाने में असमर्थ हैं तो अंग्रेज़ी ही ऐसी भाषा है जो एक दूसरे राज्य के लोगों के मध्य संवाद स्थापित करने का सुगम माध्यम बनती है। देश ही नहीं लगभग पूरे विश्व में अंग्रेज़ी भाषा विभिन्न देशों के लोगों को एक दूसरे से जोड़ने का काम करती है। आज गृह मंत्री अमित शाह के दर्जनों मंत्रिमंडलीय सहयोगियों,सांसदों व अधिकारियों व राज्य स्तरीय भाजपा नेताओं की संतानें अमेरिका,ब्रिटेन,ऑस्ट्रेलिया जैसे अन्य कई देशों में शिक्षा ग्रहण कर रही हैं। ज़ाहिर है राष्ट्रवादियों की यह संतानें वहां संस्कृत या हिंदी माध्यम से पढ़ने के लिये नहीं गयी हैं। बल्कि यह वहां पढ़कर अंग्रेज़ी भाषा में ही पारंगत होंगी। तो क्या आने वाले कल को इन्हें भी अंग्रेज़ी बोलने में शर्म आएगी ?

इसमें कोई संदेह नहीं कि क्षेत्रीय भारतीय भाषाएं भारतीय संस्कृति के आभूषण के समान हैं। परन्तु अदालत से लेकर संसद व दूतावासों तक व मेडिकल व विज्ञान शिक्षा में ख़ासकर प्रयुक्त होने वाली अंग्रेज़ी भाषा को शर्म वाली भाषा तो हरगिज़ नहीं कहा जा सकता। गृह मंत्री के अनुसार यदि शर्म ही आने की संभावना है तो कम से कम अपनी सरकारी योजनाओं का मेक इन इंडिया,डिजिटल इंडिया,स्टार्टअप इंडिया जैसा अंग्रेज़ी नाम तो न रखते ? इस सम्बन्ध में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि अंग्रेज़ी सीखना आर्थिक रूप से उपयोगी है और इससे रोज़गार के अवसर बढ़ते हैं। राहुल गांधी ने शाह के इस बयान को भारत की भाषाई बहुलता पर हमला बताया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रुपया 21 पैसे मजबूत होकर 85.87 डॉलर पर

रुपया बुधवार को तीन पैसे गिरकर 86.08 डॉलर पर बंद हुआ था

मुंबई।

वैश्विक बाजारों में डॉलर के कमजोर रुख के बीच रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में 21 पैसे मजबूत होकर 85.87 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने हालांकि कहा कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और विदेशी पूंजी की निकासी ने स्थानीय इकाई में तेज बढ़त को रोक दिया।अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 85.91 पर खुला। फिर 85.87 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 21 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया बुधवार को तीन पैसे की गिरावट के साथ 86.08 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.27 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 97.41 पर आ गया।

जियो फाइनेंशियल ने जियो पेमेंट में किया 190 करोड़ का नया निवेश

नई दिल्ली।

रिलायंस समूह की कंपनी` जियो फायनें शियल से विंसेज ने (जेएफएसएल) ने अपनी सहायक कंपनी` जियो पेमेंट बैंक में 190 करोड़ का नया निवेश किया है। इस निवेश के तहत जेएफएसएल को 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 19 करोड़ इक्विटी शेयर अलॉट किए गए हैं। अब` जियो पेमेंट बैंक पूरी तरह से जेएफएसएलकी 100 फीसदी स्वामित्व वाली कंपनी बन गई है। इस निवेश से कुछ दिन पहले जेएफएसएल ने` जियो पेमेंट में बची हुई 17.8 फीसदी हिस्सेदारी भी स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से खरीद ली थी। यह सौदा 104.54 करोड़ में हुआ और इसे भारतीय रिज़र्व बैंक ने 4 जून 2025 को मंज़ूरी दी थी। इससे पहले जेएफएसएल के पास पहले से 82.2 फीसदी हिस्सेदारी थी। अब कंपनी ने पूरे 100 फीसदी शेयर अपने नाम कर लिए हैं। अब` जियो पेमेंट बैंक जेएफएसएल की सहायक कंपनी बन चुकी है।

भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत-आरबीआई

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि फरवरी से अब तक रेपो रेट में 100 बेसिस प्वाइंट की कटौती की गई है, जिससे यह 5.5 फीसदी पर आ गया है। इसके अलावा, 6 सितंबर से चरणबद्ध तरीके से 100 बीपीएस की सीआरआर कटौती से करीब 2.5 लाख करोड़ की नकदी बाजार में आएगी। इससे फंडिंग की लागत में कमी आने और कर्ज वितरण में तेजी आने की संभावना है।

जियो फाइनें शियल ने जियो पेमेंट में किया 190 करोड़ का नया निवेश

नई दिल्ली। रिलायंस समूह की कंपनी` जियो फायनें शियल से विंसेज ने (जेएफएसएल) ने अपनी सहायक कंपनी` जियो पेमेंट बैंक में 190 करोड़ का नया निवेश किया है। इस निवेश के तहत जेएफएसएल को 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 19 करोड़ इक्विटी शेयर अलॉट किए गए हैं। अब` जियो पेमेंट बैंक पूरी तरह से जेएफएसएलकी 100 फीसदी स्वामित्व वाली कंपनी बन गई है। इस निवेश से कुछ दिन पहले जेएफएसएल ने` जियो पेमेंट में बची हुई 17.8 फीसदी हिस्सेदारी भी स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से खरीद ली थी। यह सौदा 104.54 करोड़ में हुआ और इसे भारतीय रिज़र्व बैंक ने 4 जून 2025 को मंज़ूरी दी थी। इससे पहले जेएफएसएल के पास पहले से 82.2 फीसदी हिस्सेदारी थी। अब कंपनी ने पूरे 100 फीसदी शेयर अपने नाम कर लिए हैं। अब` जियो पेमेंट बैंक जेएफएसएल की सहायक कंपनी बन चुकी है।

जेपी ग्रुप पर 57185 करोड़ कर्ज, फिर भी पांच कंप नियां खरीदने को तैयार

कंपनी का मार्केट गिरकर 800 करोड़ से भी कम हुआ

नई दिल्ली।

देश के कई शहरों में इन्फ्रा प्रोजेक्ट बनाने वाले जेपी जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड (जेएएल) ने बताया है कि उसे दिवाला प्रक्रिया के माध्यम से कंपनी के अधिग्रहण के लिए बयाना राशि के साथ पांच बोलियां मिली हैं। यानी कि कंपनी के दिवालिया होने के बावजूद कई कंपनियां इसमें पैसे लगाने के लिए तैयार हैं। खास बात ये है कि कंपनी का मार्केट अब 800 करोड़ से भी कम हो गया है, जबकि इस पर 57 हजार करोड़ से भी ज्यादा की देनदारी दिख रही है। जेएएल ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसे दिवालिया प्रक्रिया के दौरान पांच समाधान योजनाएं मिली हैं। जेएएल की कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया में जारी समाधान योजना की अपील के जवाब में समाधान पेशेवर को प्रस्तुत करने की तिथि तक बयाना राशि के साथ पांच समाधान योजनाएं मिली हैं। हालांकि, जेएएल ने उन कंपनियों के नाम नहीं बताए जिन्होंने समाधान योजना पेश की है। सूत्रों के अनुसार, जेपी एसोसिएट्स को खरीदने में जिन 5 कंपनियों ने रुचि दिखाई है, उनमें अडानी समूह की कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज, खनन दिग्गज अनिल अग्रवाल की वेदांता, डालमिया भारत सीमेंट, जिंदल पावर और पीएनसी इन्फ्राटेक शामिल हैं। सूत्रों ने बताया कि जेपी इन्फ्राटेक की समाधान योजना को कुछ मानदंडों को पूरा न करने के कारण खारिज कर दिया गया है। जेपी इन्फ्राटेक का पहले सुरक्षा समूह ने अधिग्रहण किया था।

नेस्ले इंडिया अपने शेयर धारकों को 1:1 बोनस शेयर जारी करेगी

नई दिल्ली।

रोजमर्रा के उपयोग में आने वाली घरेलू वस्तुएं बनाने वाली कंपनी नेस्ले इंडिया के निदेशक मंडल ने अपने मौजूदा शेयरधारकों को 1:1 के अनुपात में बोनस शेयर जारी करने के प्रस्ताव गुरुचसा कसे मंजूर कर लिया है। नेस्ले इंडिया ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि एक रुपये अंकित मूल्य का बोनस शेयर कंपनी के सदस्यों द्वारा धारित एक रुपये अंकित मूल्य के शेयर को पूर्ण रूप से जारी किया जाएगा। बोनस शेयर प्राप्त करने के लिए कंपनी के सदस्यों के अधिकार का निर्धारण करने की रिकॉर्ड तिथि की घोषणा उचित समय पर की जाएगी। नेस्ले ने 19 जून को घोषणा की थी कि कंपनी का निदेशक मंडल बोनस शेयर जारी करने पर विचार करेगा। कंपनी के निवर्तमान चेयरमैन ने कहा कि नेस्ले इंडिया के निदेशक मंडल की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में 1ः1 बोनस शेयर जारी करने को मंजूरी दे दी है जो 24 जुलाई को नेस्ले इंडिया द्वारा आयोजित असाधारण आम बैठक (ईजीएम) में अंतिम मंजूरी के अधीन है। वर्ष 1996 के बाद यह पहला बोनस जारी किया गया है। इस घोषणा के बाद नेस्ले इंडिया के शेयर में तेजी देखने को मिली।

अमे रिका में अभी मंदी का खतरा टला नहीं

खतरनाक संकेत दे रहे हैं इकनॉमिक इंडिकेटर्स

वाशिंगटन।

दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश अमेरिका में अभी मंदी का खतरा टला नहीं है। देश के बड़े आर्थिक सूचकांक अब भी मंदी का संकेत दे रहे हैं। लीडिंग इकनॉमिक इंडेक्स (एलआईई) में मई में लगातार छठे महीने गिरावट आई है। पिछले 39 महीनों में 37 बार इसमें गिरावट आई है जो देश के इतिहास में सबसे लंबे दौर में से एक है। पिछले छह महीने में 5 फीसदी की सालाना दर से गिरावट आई है जो इस बात का संकेत है कि देश में अब भी मंदी का खतरा बना हुआ है। एलआईई अपने उच्चतम स्तर से 16 फीसदी गिर चुका है और यह नौ साल के अपने न्यूनतम स्तर पर पहुंच चुका है। इतिहास पर नजर डालें तो 1960 के बाद हर बार मंदी से पहले एलईआई में लंबे समय तक गिरावट आई है। इससे आशंका बढ़ गई है कि अमेरिका का इकॉनमी मंदी में जा सकती है। अमेरिका की इकॉनमी मंदी में फंसी तो इसका असर पूरी दुनिया पर देखने को मिलेगा। तकनीकी रूप से लगातार दो तिमाहियों में जीडीपी में गिरावट को मंदी कहा जाता है। इस बीच अमेरिका के सेंट्रल बैंक फेड रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल का कहना है कि ब्याज दरों में कटौती की फिलहाल कोई उम्मीद नहीं है। पॉलिसी बदलावों का दौर अभी चल रहा है और इकॉनमी पर उनके प्रभाव के बारे में अभी कुछ नहीं कहा जा सकता है। अभी तो हम इंतजार कर रहे हैं।

शेयर बाजार भारी तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 1000 अंक ऊपर आया , निफ्टी 25,549 पर पहुंचा

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को भारी तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1000 अंक उछलकर 83,755.87 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 304 अंक बढ़कर 25,549.00 पर बंद हुआ। आज के कारोबार के दौरान निफ्टी पर श्रीराम फाइनेंस, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, टाटा स्टील, जियो फाइनेंशियल, अडाणी पोर्ट्स के शेयरों को सबसे अधिक लाभ हुआ ओर ये हरे निशान पर बंद हुए। वहीं डॉ रेड्डीज लैबोरेटरीज, टेक महिंद्रा, हीरो मोटोकॉर्प, मारुति सुजुकी, एसबीआई के शेयर सबसे अधिक नुकसान में रहे और लाल निशान पर बंद हुए।

कारोबार के दौरान निजी बैंक, तेल एवं गैस के अलावा धातु सूचकांकों में 1 से 2 फीसदी की बढ़त रही जबकि रियल्टी, मीडिया सूचकांकों में 1-1 फीसदी की गिरावट रही। बीएसई मिडकैप सूचकांक में 0.5 फीसदी की तेजी आई जबकि स्मॉलकैप सूचकांक में कोई बदलाव नहीं हुआ। भारतीय रुपया गत दिवस के 86.09 के मुकाबले गुरुवार को 39 पैसे बढ़कर 85.70 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो उसमें बढ़त रही। इजरायल-ईरान के बीच युद्धविराम से भी बाजार में उत्साह का माहौल है। इससे दुनिया भर के साथ ही भारतीय बाजार में भी सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

इससे पहले आज सुबह बाजार हरे निशान में खुले। बीईएल, भारती एयरटेल, टाटा मोटर्स, टाटा स्टील, मारुति सुजुकी और एमएंडएम के शेयरों में खरीदारी के कारण बाजार में बढ़त रही। सुबह

बीएसई सेंसेक्स करीब 100 अंक चढ़कर 82,882.92 पर खुला। खुलते ही बाजार में खरीदारी देखने को मिली जिससे इंडेक्स में बढ़त और बढ़ गई। यह 242.79 अंक की बढ़त लेकर 82,998.30 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह निफ्टी भी मजबूती के साथ हरे निशान में खुलकर 95.80 अंक की बढ़त के साथ 25,340.55 पर कारोबार कर रहा था। । जापान का निक्केई इंडेक्स 0.98 फीसदी चढ़ा, जबकि टॉपिक्स इंडेक्स में 0.48 फीसदी की तेजी रही। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.51 फीसदी गिरा और ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्सऱ200 0.11 फीसदी फिसल गया। अमेरिकी बाजारों में बुधवार रात हल्की हलचल रही। एसएंडपी 500 मामूली गिरावट के साथ 6,092.16 पर बंद हुआ, जबकि नेशनल कम्पो जिट 0.31 फीसदी की बढ़त के साथ 19,973.55 पर बंद हुआ। वहीं डाओ जोंस 0.25 फीसदी गिरकर 42,982.43 पर बंद हुआ।

सोने के भाव 97,600 के पार, चांदी भी लगभग 1.06 लाख रुपए

नई दिल्ली।

सोने-चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत में गुरुवार को भी तेजी देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव गुरुवार को तेजी के साथ खुले। सोने के भाव 97,500 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,06,400 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स)पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 243 रुपये की तेजी के साथ 97,600 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 97,357 रुपये था। इस समय यह 123 रुपये की तेजी के साथ 97,480 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 425 रुपये की तेजी के साथ 1,06,405 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,05,980 रुपये था। इस समय यह 422 रुपये की तेजी के साथ 1,06,402 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वहीं वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव में तेजी देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोना 3,347.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,343.10 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 12.80 डॉलर की तेजी के साथ 3,355.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा

भाव ने इस साल 3,509.90 डॉलर के भाव पर ऑल टाइम हाई छू लिया है। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 36.22 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 36.11 डॉलर था। इस समय यह 0.21 डॉलर की तेजी के साथ 36.32 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

एक्मे सोलर को मिली आंध्र प्रदेश में 275/550 मेगावाट घंटे की बीईएसएस परियोजनाएं

नई दिल्ली।

एक्मे सोलर होल्डिंग्स को आंध्र प्रदेश में 275/550 मेगावाट घंटे की संचयी क्षमता वाली एकल बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) परियोजनाएं मिली हैं। कंपनी के अनुसार एक्मे सोलर होल्डिंग्स लिमिटेड आंध्र प्रदेश में कुप्पम और घनी में दो परियोजनाओं में 275/550 मेगावाट घंटा की संचयी क्षमता वाली बीईएसएस परियोजनाओं के लिए एनएचपीसी की निविदा में विजेता बोलीदाता के रूप में सामने आई है। बयान में कहा गया कि कुप्पम परियोजना के लिए उसने 50/100 मेगावाट घंटा की क्षमता के साथ 2,10,000 रुपये प्रति मेगावाट प्रति माह की दर पर और घनी परियोजना के लिए 225/450 मेगावाट घंटा की क्षमता के साथ 2,22,000 रुपये प्रति मेगावाट प्रति माह की दर पर बोली हासिल की। परियोजना के तहत एक्मे सोलर को 27 लाख रुपये प्रति मेगावाट या कुल परियोजना लागत का 30 प्रतिशत (जो भी कम हो) की दर से व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण प्राप्त होगा।यह नीलामी आंध्र प्रदेश में ऊर्जा भंडारण क्षमता बढ़ाने के लिए एनएचपीसी द्वारा फरवरी 2025 में जारी निविदा का हिस्सा थी। एक्मे सोलर होल्डिंग्स एक अग्रणी एकीकृत अक्षय ऊर्जा कंपनी है। इसके पास सौर, पवन, भंडारण, एफडीआरई और हाइब्रिड समाधानों सहित 6,970 मेगावाट और 550 मेगावाट घंटे का विविध खंड है।

देश के प्रमुख सात शहरों में अप्रैल-जून में आवास की कीमतें 11 फीसदी बढ़ी

अप्रैल-जून तिमाही में मकानों की बिक्री में 20 प्रतिशत की गिरावट आई

नई दिल्ली।

देश के सात महानगरों में अप्रैल-जून तिमाही में आवास की कीमते सालाना आधार पर 11 प्रतिशत बढ़ गई हैं जिससे बिक्री में 20 प्रतिशत की गिरावट आई है। एक रियल एस्टेट सलाहकार ने भारत के सात प्रमुख आवासीय बाजारों के आंकड़े गुरुवार को जारी किए।

आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-जून तिमाही में मकानों की बिक्री में 20 प्रतिशत की गिरावट आई। अप्रैल-जून तिमाही में इस साल 96,285 मकान बेचे गए जबकि पिछले साल इसी तिमाही में 1,20,335 इकाइयों की बिक्री की गई थी। दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर), मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे और कोलकाता में मकानों की बिक्री में गिरावट आई। चेन्नई में मांग में वृद्धि दर्ज की गई। एक रियल एस्टेट के अधिकारी ने कहा, 2025 की दूसरी (अप्रैल-जून) तिमाही भारतीय आवास बाजार के लिए उतार-चढ़ाव भरी रही। देश और विदेश में सैन्य कार्रवाइयां भी इसकी मुख्य वजह रही।

युद्ध जैसे माहौल ने मकान खरीदने वालों को स्थिति आंकने और फिर फैसले करने की स्थिति में धकेल दिया, जिससे पिछले दो वर्ष में संपत्ति की कीमतों में उछाल का असर और बढ़ गया। उन्होंने कहा कि अब घरेलू तनाव कम होने और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की नीतिगत दर में कटौती से नए सिरे से उम्मीदें जगी हैं जिससे खरीदारों की धारणा में सुधार हो रहा है।

इस साल अप्रैल-जून में शीर्ष सात शहरों में औसत आवासीय कीमतों में सालाना 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई। एनसीआर में सबसे अधिक 27 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि देखी गई। इसके बाद बेंगलुरु में 12 प्रतिशत और हैदराबाद में 11 प्रतिशत की औसत मूल्य वृद्धि दर्ज की गई।

इवेंट में कई इनोवेटिव डिवाइसेज पेश करेगी शाओमी

नई दिल्ली।

चाइनीज कंपनी शाओमी चीन में 26 जून को एक लॉन्च इवेंट का आयोजन करने जा रही है। इस इवेंट में वह अपने कई इनोवेटिव डिवाइसेज को पेश करेगी। शाओमी मिक्स फलीप 2,शाओमी टेबलेट 7एस प्रो, रेडमी के80 अल्ट्रा और रेडमी के पेड टेबलेट जैसे डिवाइसेज इस इवेंट में लॉन्च होंगे। इनके साथ ही एमआई बेंड 10, वॉच एस4 41एमएम और ओपन इयरफोन्स प्रो को भी पेश किए जाने की पुष्टि हो चुकी है। शाओमी मिक्स फलीप 2 कंपनी का पहला कॉम्पैक्ट फ्लिप स्मार्टफोन होगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक इसमें स्नैपड्रैगन 8 एलीट प्रोसेसर, 5100एमएएच बैटरी और 67 वॉट फास्ट चार्जिंग के साथ वायरलेस चार्जिंग का सपोर्ट मिलेगा। यह फोन ब्लू, पर्पल, गोल्ड और ब्लैक जैसे चार कलर ऑप्शन में आ सकता है। शाओमी टेबलेट 7एस प्रो को 12.5 इंच के एलसीडी पैनल और 10610 एमएएच की दमदार बैटरी के साथ पेश किया जाएगा। यह टैब 120 वॉट की सुपर फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करेगा और इसमें नया एक्सरिंग 01 चिपसेट देखने को मिलेगा। रेडमी के80अल्ट्रा में 144 एचझेड रिफ्रेश रेट वाला 6.83 इंच का 1.5के अमोलेड डिस्प्ले मिलेगा, जिसकी पीक ब्राइटनेस 3200 निट्स होगी। यह डाइमेंसिटी 9400 प्लस चिपसेट और

100 वॉट की फास्ट चार्जिंग से लैस 7410एमएएच की बैटरी के साथ आएगा। इसका मेन कैमरा 50एमपी का होगा। रेडमी के पेड टेबलेट में 8.8 इंच का डिस्प्ले, 165एचझेड रिफ्रेश रेट, डाइमेंसिटी 9400प्लस प्रोसेसर और 16जीबी तक रैम होगी। यह डिवाइस 7500एमएएच बैटरी और 67 वॉट की फास्ट चार्जिंग के साथ लॉन्च होगा।

गैलेक्सी अनपैक्ड इवेंट का आयोजन होगा न्यूयॉर्क में

नई दिल्ली।

सैमसंग अगले महीने न्यूयॉर्क में अपने बहुप्रतीक्षित गैलेक्सी अनपैक्ड इवेंट का आयोजन करेगा, जिसमें एडवांस्ड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और अल्ट्रा-स्लिम फोल्डेबल डिजाइन वाले नए गैलेक्सी जेड सीरीज स्मार्टफोन पेश किए जाएंगे। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने घोषणा की है कि वह इस इवेंट में कंपनी गैलेक्सी जेड फोल्ड 7 और गैलेक्सी जेड फ्लिप 7 जैसे लेटेस्ट मॉडल लॉन्च कर सकती है, जिनमें बड़ी स्क्रीन, बेहतर कैमरे और उन्नत एआई फीचर्स शामिल होंगे। कंपनी का कहना है कि अगली पीढ़ी के गैलेक्सी डिवाइस पूरी तरह से एआई-पावर्ड इंटरफेस पर आधारित होंगे, जिन्हें खासतौर पर उच्च स्तरीय हार्डवेयर के साथ तैयार किया गया है। सैमसंग ने कहा कि गैलेक्सी एआई और उनकी टेक्नोलॉजिकल क्राफ्टमैनशिप का यह अब तक का सबसे बेहतर प्रदर्शन होगा। कंपनी का दावा है कि स्मार्टफोन अब केवल ऐप्स और टूल का संग्रह नहीं रह गया है, बल्कि यह एक इंटेलिजेंट साथी में तब्दील हो रहा है, जो यूजर की मंशा को समझने और तत्काल प्रतिक्रिया देने में सक्षम है। गौरतलब है कि सैमसंग हर साल दो बार, सर्दियों और गर्मियों में, गैलेक्सी अनपैक्ड इवेंट आयोजित करता है। पिछला इवेंट इस साल जनवरी में कैलिफोर्निया के सैन जोस में हुआ था, जहां कंपनी ने गैलेक्सी एस25 सीरीज को लॉन्च किया था। अब गर्मियों के इस इवेंट में फोल्डेबल स्मार्टफोन की नई रेंज से पर्दा हटेगा, जो भविष्य की मोबाइल तकनीक की झलक पेश करेगी। सैमसंग का मानना है कि जैसे-जैसे एआई तकनीक स्मार्टफोन यूजर इंटरफेस का मूल आधार बन रही है, यह हमारे तकनीक के साथ संबंधों को नया रूप दे रही है। कंपनी ने कहा कि यह बदलाव स्मार्टफोन को प्रतिक्रिया देने वाले उपकरण से एक ऐसा सहायक बना रहा है, जो यूजर की जरूरतों और इरादों को पहले से समझकर काम करता है।

ऑडी ने लांच किया क्यू7 सिग्नेचर एडिशन

नई दिल्ली।

भारत में लग्जरी कार निर्माता ऑडी ने लोकप्रिय एसयूवी क्यू7 का नया वैरिएंट क्यू7 सिग्नेचर एडिशन लॉन्च कर दिया है। इसकी एक्स-शोरूम कीमत रुपए 99,81,000 रखी गई है। ऑडी ने इस एडिशन में ऑडी जेन्यून एक्सेसरीज का इस्तेमाल किया है, जिससे इसके लुक और फील को और निखारा गया है। इसमें एलईडी पैडल लैंप्स दिए गए हैं, जो दरवाजा खोलते ही ऑडी का लोगो जमीन पर प्रोजेक्ट करते हैं। डायनामिक व्हील हब कैप्स इसमें चलते समय भी सीधे रहते हैं और खास स्टेनलेस स्टील पेडल कैप्स इसके प्रीमियम अहसास को बढ़ाते हैं। एसयूवी को पांच शानदार रंगों में पेश किया गया है, जिनमें साकिर गोल्ड, वैटोमो ब्ल्यू, मायथोस ब्लेक, ग्लेशियर व्हाइट और समूराई ग्रे शामिल हैं। टेक्नोलॉजी ट्रिम पर आधारित इस एडिशन में इन-कार कॉफी मेकर और यूनिवर्सल ट्रैफिक रिकॉर्डर (डैशकैम) जैसे फीचर्स जोड़े गए हैं। ऑडी क्यू7 सिग्नेचर एडिशन में वही 3.0 लीटर वी6 टीएफएसआई पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो 340 एचपी की पावर और 500 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। यह एसयूवी केवल 5.6 सेकंड में 0 से 100 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार पकड़ सकती है और इसकी टॉप स्पीड 250किमी प्रतिघंटा है। इसमें ऑडी का क्वाट्रो ऑल-व्हील ड्राइव सिस्टम और एडॉप्टिव एयर सस्पेंशन मिलता है। इसमें 7 ड्राइव मोड्स दिए गए हैं और यह 7-सीटर एसयूवी है। सुरक्षा के लिहाज से इसमें 8 एयरबैग्स, लेन डिपार्चर वार्निंग और इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल जैसे फीचर्स मिलते हैं।कंपनी ने इसे चुनिंदा लग्जरी फीचर्स और एक्सक्लूसिव डिजाइन एलिमेंट्स के साथ पेश किया है, जो इसे पहले से भी ज्यादा प्रीमियम और आकर्षक बनाते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डब्ल्यूडब्ल्य ई नहीं बदलेगा कोडी रोड्स का कोडी रोड्स थीम सॉन्ग

सेन डियागो। डब्ल्यूडब्ल्यू ई के पूर्व चैम्पियान चैंपियन कोडी रोड्स एक बार फिर इसमें विजेता बनना चाहते हैं। वहीं डब्ल्यूडब्ल्य ई कई बदलाव करने जा रहा है। इसमें प्रवेश के समय बजाये जाने वाले थीम सॉन्ग किंगडम में भी बदलाव हो सकता है पर इसमें कोडी रोड्स के थीम सॉन्ग को नहीं बदला जा सकता है। इसको गाने वाले शॉन रॉस सैप ने भी इसकी पुष्टि की है। सैप ने कहा कि कोडी रोड्स का यह सिग्नेचर थीम सॉन्ग बना रहेगा। सैप ने साफ किया कि कंपनी में रोड्स की मौजूदा स्थिति को देखते हुए ऐसा होने की संभावना नहीं है। सैप ने कहा, मुझे लगता है कि रोड्स के पास इतनी क्षमता है कि वह इससे बच सकता है। यह उसके परफॉर्मेंस और डब्ल्यूडब्ल्य ई के प्रदर्शन का एक अहम हिस्सा है। आप वहां जाना चाहते हैं और आप गाना सुनना चाहते हैं, यह सब अच्छा है। मुझे लगता है कि यह बहुत बुरा होगा। उन्होंने आगे कहा कि अगर रोड्स खुद इसे बदलना चाहें तो यह अलग बात है पर इसके लिए कोई उनहें मजबूर नहीं करेगा ओर न ही ऐसी कोई संभावना है। रोड्स ने पहले अपने थीम सॉन्ग किंगडम को बदलने का विचार रखा था। वह चाहते थे कि उनकी बेटी लिबर्टी फेमस लाइन रेसलिंग हेज मोर देन वन रॉयल फैमिली को फिर से रिकॉर्ड करे जिससे कि गाने में उनकी भावनाएं शामिल हो।

2 जुलाई से एजबेस्टन में खेला जाएगा दूसरा टेस्ट

लीड्स।

भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरा क्रिकेट टेस्ट मैच अब अगले माह 2 जुलाई से एजबेस्टन में खेला जाएगा। लीड्स में पहला टेस्ट जीतने के साथ ही मेजबान इंग्लैंड टीम इस सीरीज में 1-0 से आगे हो गयी है। ऐसे में अब बराबरी के लिए भारतीय टीम को दूसरा मैच जीतना होगा। अभी इस मैच में एक सप्ताह का समय है। इससे टीमों को तरोताजा होने के लिए भी पर्याप्त समय मिल जाएगा। भारतीय समय के अनुसार दूसरा टेस्ट दोपहर 3ः30 बजे से खेला जाएगा। वहीं तीसरा टेस्ट मैच लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर 10-14 जुलाई के बीच खेला जाएगा। चौथा टेस्ट मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड क्रिकेट ग्राउंड पर 23-27 जुलाई के बीच खेला जाएगा जबकि सीरीज का पांचवां और आखिरी टेस्ट मैच लंदन के केनिंग्टन ओवल में 31 जुलाई से 4 अगस्त के बीच खेला जाएगा। दूसरे टेस्ट में उतरते ही दोनो टीमें अपना 138वां टेस्ट खेलेंगी।

दोनों टीमों के बीच अब तक 137 टेस्ट हुए हैं। इसमें भारतीय टीम 35 में जीत मिली है जबकि इंग्लैंड को 52 टेस्ट में जीत मिली है जकि 50 टेस्ट ड्रॉ रहे हैं। भारतीय टीम को अगर दूसरा टेस्ट जीतना है तो उसे गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण में सुधार करना होगा।

भारतीय टीमः शुभमन गिल (कप्तान), साईं सुदर्शन, यशस्वी जायसवाल, करुण नायर, नितीश रेड्डी, रविंद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, ऋषभ पंत, केएल राहुल, ध्रुव जुरेल, मोहम्मद सिराज, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाशदीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा।

अब टेस्ट मैचों में भी धीमी ओवर गति के लिए लगेगा जुर्माना

दुबई।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) खेल में रोचकता बनाये रखने के लिए समय-समय पर नियमों में बदलाव करती रहती है। इसी के तहत ही अब आईसीसी टेस्ट क्रिकेट में भी स्टॉप क्लॉक को लेकर नया नियम लेकर आई है।

सीमित ओवरों के क्रिकेट में ये नियम पहले से ही है। इसमें धीमी ओवर गति के लिए 5 रनों का जुर्माना लगाया जाएगा। मैच समय पर समाप्त करने और धीमी ओवर गति से बचने के लिए इस नियम का इस्तेमाल होता है। पिछले कुछ समय में देखा गया है कि एक दिन में टीमें पूरे 90 ओवर नहीं कर पा रही है। जिसकी वजह से आईसीसी टेस्ट क्रिकेट में भी यह नियम लेकर आई है।

टेस्ट क्रिकेट में धीमें ओवर रेट को कम करने के लिए आईसीसी यह नियम लेकर आया है। इस नियम के अनुसार, फील्डिंग करने वाली टीम को एक ओवर के समाप्त होने के एक मिनट के अंदर ही दूसरा अगला ओवर शुरू करने के लिए तैयार रहना चाहिए। वहीं ऐसा न करने पर उन्हें अंपायरों से दो बार चेतावनी मिलेंगी। भारत-इंग्लैंड टेस्ट के दौरान अंपायरों ने बेन स्टोक्स और शुभमन गिल को भी ऐसी ही चेतावनी दी थी। इसके बाद भी अगर टीम नहीं मानती तो अंपायर गेंदबाजी करने वाली टीम पर पांच रन का जुर्माना लगाएंगे। 80 ओवर तक यह दो वॉर्निंग चलेगी, इसके बाद इसे बदल दिया दिया जाएगा। यह नियम 2025-27 विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र की शुरुआत से ही लागू हो गया है।

रिंकू को मिलेगी सरकारी नौकरी, बेसिक शिक्षा अधिकारी बनाया जाएगा

लखनऊ।

उत्तर प्रदेश सरकार क्रिकेटर रिंकू सिंह को सरकारी नौकरी देने जा रही है। रिंकू को बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) का पद दिया जाएगा। यह नियुक्ति अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता सीधी भर्ती नियमावली-2022 के तहत की जाएगी। इस नीयम के तहतर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने वाले खिलाड़ियों को सरकारी पद दिया जाता है। रिंकू की नियुक्ति की प्रक्रिया भी शुरु हो गयी है और बेसिक शिक्षा निदेशक कार्यालय से इसके लिए आदेश भी जारी हो गया है। रिंकू की हाल ही में समाजवादी पार्टी की सांसद प्रिया सरोज से सगाई हुई है। इसको लेकर राजनीति भी शुरु हो गयी है। राज्य सरकार इसे प्रतिभा का सम्मान बता रही है और कह रही है कि इससे पहले भी कई खिलाड़ियों को इसी नीति के तहत नौकरियां दी गई हैं। वहीं विरोधी दलों का कहना है कि ये नियुक्ति राजनीतिक हित साधने के लिए है। रिंकू अलीगढ़ के एक मध्यम वर्ग के परिवार से निकलकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर बने हैं। उन्होंने 2023 आईपीएल में धमाकेदार प्रदर्शन करके सभी को अपनी ओर आकर्षित किया। उसके बाद से ही उनके सितारे चल निकले। उन्हें शुरुआत में आईपीएल में 50 लाख रुपये मिली पर इसके अलगे ही सत्र में वह करोड़ों में पहुंच गये। मेगा नीलामी में पिछले साल कोलकाता नाइटराइडर्स ने उन्हें 13 करोड़ रुपये में बरकरार रखा था। रिंकू और प्रिया सरोज की शादी इस साल नवंबर में होना तय हुआ था पर रिंकू के व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए शादी टल दी गयी है। अब इसके फरवरी में होने की संभावना है।

नीरज ने ओस्ट्रावा गोल्डन इस्पाइक एथलेटिक्स में स्वर्ण जीता

ओस्ट्रावा।

भारत के शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने चेक गणराज्य में हुए 64वें ओस्ट्रावा गोल्डन इस्पाइक एथलेटिक्स एथलेटिक्स टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीता है। नीरज ने पुरुषों की भाला फेंक प्रतियोगिता में अपने तीसरे प्रयास में 85.29 मीटर भाला फेंककर पहला स्थान हासिल किया। वहीं दक्षिण अफ्रीका के डौव स्मिट 84.12 मीटर भाला फेंककर दूसरे जबकि ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स 83.63 मीटर भाला फेंककर तीसरे स्थान पर रहे।

नीरज की यह सत्र की तीसरी जीत रही। इससे पहले वह पोटचेफ्स्ट्रूम (दक्षिण अफ्रीका) में 84.52 मीटर भाला फेंककर और पेरिस डायमंड लीग - में 88.16 मीटर भाला फेंककर पहले स्थान पर रहे थे। इस सत्र में नीरज अब तक एक बार ही 90 मीटर के आंकड़े तक पहुंच पाये हैं। डोहा डायमंड लीग में नीरज ने पहली बार 90.23 मीटर भाला फेंककर 90 मीटर का आंकड़ा पार किया था पर वह जूलियन वेबर 91.06 मीटर से पिछड़ गये। पोलैंड के जानुस कुशोचिंस्की मेमोरियल में नीरज 84.14मीटर भाला फेंककर एक बार फिर वेबर 86.12 मीटर से पिछड़ गये।

अब नीरज बेंगलुरु में अगले माह एक अंतरराष्ट्रीय स्तर का इवेंट आयोजित कर रहे हैं। इसमें वह दुनिया भर के शीर्ष स्तर के भाला फेंक खिलाड़ियों से प्रतिस्पर्धा करेंगे। ये भारत का पहला अंतरराष्ट्रीय भाला फेंक इवेंट होगा। इस इवेंट का आयोजन जेएसडब्ल्यू स्पोर्टस एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया और विश्व एथलेटिक्स मिलकर करेंगे। नीरज इस इवेंट के जरिये अपने प्रदर्शन को और निखारना चाहेंगे।

संक्षिप्त समाचार

स्टोक्स बोले, हमारे गेंदबाजों ने मैच का रुख पलटा

लीड्स।

इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स भारतीय टीम के खिलाफ पहला टेस्ट मैच जीतने के बाद से ही बेहद उत्साहित हैं। स्टोक्स का कहना है कि जब उनके गेंदबाजों ने दूसरी पारी में भारतीय टीम को बड़ा स्कोर बनाने से रोका था तभी मैच उनके हाथ में आ गया था। इस मैच में भारतीय टीम ने इंग्लैंड को जीत के लिए 371 रनों का लक्ष्य दिया था जो बेन डकेट के शतक और जैक क्रॉली के अर्धशतक से इंग्लैंड ने आसानी से हासिल कर लिया था। इस दोनो ने पहले विकेट के लिए 188 रन की साझेदारी कर अपनी टीम के लिए जीत का आधार तय किया। स्टोक्स के अनुसार बल्लेबाजी के अनुकूल विकेट पर उनके गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए मेहमान टीम को दो बार आउट किया। इसी कारण भारतीय टीम बड़ा स्कोर नहीं बना पायी। मैच में हमारी टीम ने दो बार भारतीय टीम के निचले क्रम को पेवेलियन भेजा। इसी कारण भारतीय टीम पांच शतक के बाद भी बड़े स्कोर नहीं बना पायी। हमने उन्हें 450 रनों से आगे नहीं जाने दिया जबकि एक समय वह काफी आगे जाते दिख रहे थे। भारतीय टीम ने पहली पारी में अपने अंतिम छह विकेट 41 रनों के अंदर जबकि दूसरी पारी में 34 रन के अंदर खो दिये। इसके बाद जीत के लिए 371 रन के लक्ष्य के जवाब में हमारी टीम ने अच्छी शुरुआत की जिससे हमारे लिए लक्ष्य हासिल करना आसान हो गया। स्टोक्स ने अपने दोनो ही बल्लेबाजों डकेट और जैक के प्रदर्शन की सराहना की है।

सूर्यकुमार की सर्जरी हुई

म्यूनिख।

भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव की स्पोर्ट्स हर्निया के लिए जर्मनी के म्यूनिख शहर में सर्जरी हुई है। सूर्यकुमार पिछले कुछ समय से इसके कारण दर्द से परेशान थे। इसी कारण उन्होंने टी20 क्रिकेट के नये अंतरराष्ट्रीय सत्र से पहले सर्जरी कराना ही सही समझा। सूर्यकुमार का इलाज जर्मनी के म्यूनिख में हुआ। स्पोर्ट्स हर्निया से वे परेशान थे, इसी लिए आईपीएल 2025 समाप्त होने के बाद वह सर्जरी के लिए वहां गये। इसकी सर्जरी सफल रही जिसकी तस्वीरें भी सोशल मीडिया में आई हैं। सूर्यकुमार ने सोशल मीडिया में अस्पताल की एक तस्वीर जारी करते हुए कहा कि वह अब सर्जरी से उबरने की प्रक्रिया में हैं। सूर्यकुमार ने सोशल मीडिया में अस्पताल की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, लाइफ अपडेट, पेट के निचले दाहिने हिस्से में स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी सफल रही जिसके बाद अब मैं ठीक हो रहा हूं और बेसब्री से वापस आने का इंतजार कर रहा हूं। सूर्यकुमार ने अभी अपनी वापसी को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है पर उम्मीद है कि वह अगस्त तक पूरी तरह फिट हो जाएंगे और पेशेवर क्रिकेट में लौट जाएंगे। अगस्त तक भारतीय टी20 टीम का कोई कार्यक्रम नहीं है, इससे सूर्यकुमार के बाहर होने से भी भारतीय टीम को कोई नुकसान नहीं होगा।

राजस्थान रॉयल्स के मालिक ने राज कुंद्रा पर ब्लैकमेलिंग का आरोप लगाया

लंदन हाई कोर्ट में शुरु की कानूनी कार्रवाई

मुम्बई।

बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

कुंद्रा पर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फ्रेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स के मालिक मनोज बडाले ने ब्लैकमेलिंग के आरोप लगाए हैं।

बडाले ने इस मामले को लेकर कुंद्रा के खिलाफ लंदन के हाई कोर्ट में कानूनी कार्रवाई शुरु कर दी है। वहीं दूसरी ओर कुंद्रा ने अपने पर लगे सभी आरोपों को गलत बताया है।

रॉयल्स के मालिक बडाले वेंचर कैपिटलिस्ट हैं और लंदन में रहते है। उनकी राजस्थान रॉयल्स में 65 फीसदी हिस्सेदारी है। एक रिपोर्ट के अनुसार, बडाले और उनकी कंपनी इमर्जिंग मीडिया वेंचर्स ने कुंद्रा के खिलाफ कोर्ट में आरोप लगाया है कि उन्होंने 2019 में हुए एक समझौते का उल्लंघन किया है।

ये पूरा मामला कुंद्रा के राजस्थान रॉयल्स में पहले की हिस्सेदारी को लेकर है। कोर्ट में मनोज बडाले का पक्ष रखने वाले एडम स्पेकर ने कहा है कि कुंद्रा ने धमकी दी थी कि वह उनके खिलाफ गंभीर आरोपों का खुलासा करेंगे।

स्पेकर ने इसे ब्लैकमेलिंग का प्रयास बताया है। स्पेकर ने कहा कि साल 2015 में जब कुंद्रा आईपीएल में सट्टेबाजी के दोषी पाए गए तब मजबूरी में उन्हें राजस्थान रॉयल्स में अपनी 11.7 फीसदी हिस्सेदारी छोड़नी पड़ी थी। उस स्कैंडल के कारण ही उन्हें आईपीएल से 2 साल के लिए बाहर कर दिया गया था। स्पेकर ने यह भी कहा कि पिछले महीने कुंद्रा ने बडाले को एक ई-मेल भेजा था जिसमें आरोप लगाया कि उन्हें अपने 11.7 फीसदी हिस्से की सही कीमत नहीं दी गयीं और ये घोटाला है। साथ ही कहा था कि उन्होंने इस मामले को भारत में संबंधित अधिकारियों के सामने रखा था। स्पेकर ने यह भी दावा किया है कि इस महीने कुंद्रा ने ललित मोदी से भी संपर्क किया था।

टी20 विश्वकप फाइनल में विराट नहीं अक्षर की पारी से पलटा मैचःरोहित

मुम्बई।

भारतीय टी20 टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा का मानना है कि विश्वकप फाइनल में विराट कोहली ने काफी अच्छी पारी खेली थी पर मैच को पलटने में अक्षर पटेल की अहम भूमिका रही है। भारतीय टीम ने पिछले साल हुए टी20 विश्वकप खिताबी मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को हराकर 11 साल के बाद खिताब जीता था। रोहित ने विश्वकप फाइनल को लेकर, 'बहुत से लोग अक्षर पटेल की पारी के बारे में बात नहीं करते पर मेरा मानना है कि अक्षर की 31 गेंदों पर 47 रनों की पारी से ही मैच भारतीय टीम के पाले में आया।' रोहित ने इस मैच में एक छोर संभाले रखने के लिए विराट की भी प्रशंसा की। रोहित ने कहा, हमें एक ऐसे व्यक्ति की जरूरत थी जो विकेट पर टिका रहे। विराट ने उस काम को काफी अच्छे से निभाया। विराट की ठोस बल्लेबाजी के कारण ही शिवम, अक्षर, हार्दिक को तेजी से खेलने का अवसर मिला इस मैच में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट के नुकसान पर 176 रन बनाए थे। इसमें विराट कोहली ने सबसे ज्यादा 76 रन बनाये। वहीं अक्षर पटेल ने 31 गेंद में 47 और शिवम दूबे ने 16 गेंद में 27 रन बनाए थे। इन तीनों के अलावा भारत का कोई भी बल्लेबाज दो अंकों तक नहीं पहुंच पाया था। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की टीम निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 169 रन ही बना पायी थी। भारतीय टीम की ओर से हार्दिक पांड्या ने सबसे ज्यादा 3 विकेट जबकि जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह को 2-2 विकेट मिले थे। एक विकेट अक्षर पटेल को मिला।

कमिंस से खराब व्यवहार के लिए सील्स को सजा दे सकती है आईसीसी

ब्रिजटाउन।

वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज जेडन सील्स को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में पैट कमिंस से खराब व्यवहार करना महंग पड़ा सकता है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) सील्स को इसके लिए सजा दे सकती है। इस मैच में सील्स ने पांच विकेट लिए थे। सील्स ने ऑस्ट्रेलियाई कप्तान कमिंस का विकेट लेने के बाद उन्हें ड्रेसिंग रुम की ओर जाने का इशारा किया। कमिंस ने 18 गेंदों पर 28 रन बनाए। पर वह इसके बाद क्रैग ब्रैथवेट के हाथों में कैच हो गयो। जब वह कमिंस ड्रेसिंग रूम लौट रहे थे तो सील्स ने उन्हें ड्रेसिंग रूम की ओर जाने का इशारा किया। इसे सही नहीं माना जाता है। बल्लेबाज को आउट करने के बाद सेंडऑफ देना अब पुरानी बात हो गई है। आईसीसी के नये कानूनों के तहत इस पर पाबंदी है। आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 के तहत ऐसी भाषा, हरकत या हाव-भाव का इस्तेमाल करने पर रोक है जिससे बल्लेबाज को आउट होने पर अपमान का अनुभव हो और वह आक्रामक प्रतिक्रिया देने को भड़े। सील्स को इस मामले में आईसीसी फटकार लगाने के साथ ही उनकी मैच फीस भी काट सकती है। इसके साथ ही एक नकारात्मक अंक भी उनके खाते में जुड़ेगा

शास्त्री बोले, बुमराह को दूसरे टेस्ट के लिए आराम देना सही नहीं

मुम्बई।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम नहीं दिया जाना चाहिये। शास्त्री के अनुसार भारतीय टीम पहला टेस्ट मैच हारने से सीरीज में पिछड़ गयी है। पहले टेस्ट में बुमराह को छोड़कर अन्य गेंदबाज विरोधी टीम पर दबाव बनाने में विफल रहे। ऐसे में अगर वह नहीं उतरे तो दूसरे टेस्ट में भारतीय टीम की मुश्किलें बढ़ जाएंगी। पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में भारत पहला मैच हार चुका है और इस सीरीज से पहले ही तय हो गया था कि बुमराह को केवल तीन मैचों में ही उतारा जाएगा ताकि उनपर अधिक बोझ नहीं पड़े। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर का भी कहना है कि बुमारह को वह अधिक मैच खेलने को नहीं करेंगे। वह पहले की तरह ही पांच में से तीन मैच खेलेंगे। ऐसे में दूसरे टेस्ट से बुमराह बाहर बैठ सकते हैं पर शास्त्री इस रणनीति को सही नहीं मानते। उनका कहना है कि ऐसे में टीम 2-0 से पीछे हो जाएगी।

शास्त्री ने कहा, बुमराह ने कहा कि वह तीन टेस्ट मैच खेलेंगे। अब, वह तीनों में से कौन सा खेलेंगे, यह एक और सवाल है जिसे पूछा जाना चाहिए। मुझे लगता है कि अगर वह दूसरे मैच में आराम करते हैं तो वह निश्चित रूप से लॉर्ड्स में उतरेंगे। इसके बाद वह अगले मैच में आराम करेंगे और फिर मैनचेस्टर में उतरेंगे। इसी दौरान टीम के 2-0 से पीछे होने का खतरा है। इसी को देखते हुए उन्हें खेलना होगा।

शास्त्री ने यह भी कहा कि भारतीय टीम को दूसरा टेस्ट जीतकर वापसी करनी होगी क्योंकि इससे पहले टीम न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपनी पिछली दो टेस्ट सीरीज हारी है। स्त्री ने कहा, यह काम कठिन होगा क्योंकि मैं अभी कमेंट्री बॉक्स में उसे बता रहा था कि हम न्यूजीलैंड के खिलाफ 3-0 से हारे थे, ऑस्ट्रेलिया में भी सीरीज हार गए और ऐसे में अब यह एक कठिन सीरीज रहेगी। इसमें आपके पास एक

कदम आगे जाने का अवसर था क्योंकि अनुभवी खिलाड़ियों के बाहर होने से मेजबानों की गेंदबाजी कमजोर है इस अवसर का भारतीय टीम को लाभ उठाना चाहिये।

हेड के कैच को लेकर उठे सवाल , अंपायर ने नॉट आउट दिया

ब्रिजटाउन।

वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया के बीच यहां शुरु हुए पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में ट्रेविस हैड के कैच को लेकर विवाद हो गया। वेस्टइंडीज टीम ने हेड के आउट होने की अपील की पर तीसरे अंपायर ने उन्हें नॉटआउट करार दिया। हेड ने कहा कि वह आउट नहीं थे। इस मामले में मैदानी अंपायर ने फैसला टीवी अंपायर पर छोड़ दिया, टीवी अंपायर ने हेड को नॉटआउट करार दिया जबकि इसके वीडियों में वह आउट लग रहे थे। हेड ने इस मैच में शमर जोसेफ की गेंद पर शॉट लगाने का प्रयास किया पर गेंद सीधे ही विकेटकीपर बल्लेबाज शाई होप के हाथों में चली गई। गेंदबाज की अपील पर मैदानी अंपायर नितिन मेनन ने मामला तीसरे अंपायर को सौंप दिया। तीसरे अंपायर ने पाया कि गेंद बल्ले पर आई थी। पहली तस्वीर में जब गेंद नीचे जा रही थी तो विकेटकीपर के दस्ताने उसके नीचे थे। यहां तक कि जब जूम करके देखा गया गेंद के नीचे ग्लव्स नहीं है। वहीं तीसेर अंपायर एड्रियन होल्डस्टॉक ने कहा कि गेंद बल्ले से लगकर सीधे विकेटकीपर के पास गयी है। तीसरे अंपायर ने संदेह का लाभ देते हुए बल्लेबाज को नाटआउट करार दिया। इस कैच का सिर्फ एक ही एंगल ब्रॉडकास्टर्स के पास था। दूसरा ये कि विकेटकीपर ने कैच को लेकर अपील नहीं की जिससे हेड बचे गये।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शरीर को जर्जर कर सकती है इस विटामिन की कमी

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए विटामिन से भरपूर आहार लेना जरूरी है। अगर किसी एक विटामिन की कमी हो जाए तो इससे पूरी बॉडी पर असर पड़ता है। धीरे-धीरे रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने लगती है और शरीर बीमारियों का घर बना जाता है। इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए विटामिन सी सबसे जरूरी है। जो हमारे शरीर को रोगों से लड़ने की क्षमता देता है और उसे मजबूत बनाए रखने में मदद करता है। अगर शरीर में विटामिन सी की कमी (Vitamin C Deficeieny) हो जाए तो इससे आप जल्दी बीमार पड़ने लगते हैं। मामूली सर्दी जुकाम भी शरीर पर असर दिखाने लगता है। इम्यूनिटी कमजोर होने के कारण बाल टूटने लगते हैं। हड्डियां कमजोर हो जाती है और चेहरे पर अर्ली एजिंग के निशान दिखने लगते हैं। विटामिन सी की कमी ओरल हेल्थ यानि आपके दांत और मसूड़ों को भी प्रभावित करती है। यानि शरीर में विटामिन सी कमी होने पर पूरा ढांचा ही खराब होने लगता है।

आप विटामिन सी की कमी के लिए कुछ खास चीजें अपनी डाइट में शामिल करें। जिससे शरीर को रोजाना की विटामिन सी की जरूरतों को पूरा करने में आसानी हो। खाने-पीने में ऐसी कई चीजें है जो आपकी विटामिन सी की डेली नीड्स को पूरा कर सकती हैं। आइये जानते हैं विटामिन सी से भरपूर भोजन क्या है? किन चीजों में विटामिन सी सबसे ज्यादा पाया जाता है?

विटामिन सी से भरपूर चीजें

आंवला- विटामिन सी के लिए आवला को सबसे अच्छा सोर्स माना जाता है। आंवला में भरपूर विटामिन सी पाया जाता है। डेली किसी भी तरह 1 आंवला खाने की कोशिश करें। एक मीडियम साइज का आंवला खाने से 600- 700 मिलीग्राम विटामिन सी शरीर को मिलता है। आप रोजाना आंवला का जूस, आंवला पाउडर, आंवला का अचार या आंवला की चटनी खा सकते हैं।

अमरूद- ज्यादातर लोगों को लगता है कि सिर्फ खट्टी चीजों में ही विटामिन सी सबसे ज्यादा पाया जाता है। लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है। फलों में अमरूद विटामिन सी से भरपूर माना जाता है। एक मीडियम साइज का अमरूद रोजाना खाने से करीब 228 मिलीग्राम विटामिन ष्ट मिलता है। इसलिए डाइट में अमरूद जरूर शामिल करें।

कीवी- फलों में रोजाान कीवी खाने से भी विटामिन सी की कमी को दूर किया जा सकता है। इसलिए रोजाना 1 कीवी जरूर खाया करें। 1 कीवी में लगभग 92 मिलीग्राम विटामिन सी होता है। जिससे आपको डेली की जरूरतों को काफी हद तक पूरा कर सकते हैं।

पपीता- लगभग 1 कप पपीता खाने से शरीर को 88 मिलीग्राम विटामिन सी मिल जाता है। इसलिए पपीता को डेली डाइट में शामिल करें। पपीता गर्मियों में पेट को हेल्दी रखने में मदद करता है और इससे शरीर को दूसरे जरूरी विटामिन भी मिल जाते हैं। पपीता खाने से विटामिन सी की कमी दूर हो सकती है।

संतरा और नींबू- विटामिन सी के लिए संतरा, मौसमी और नींबू को भी बहुत अच्छा माना जाता है। सिट्रिक फ्रूट्स में विटामिन सी पाया जाता है। रोजाना एक मीडियम संतरा खाने से शरीर में 70 मिलीग्राम विटामिन सी पहुंचता है। आप संतरा का जूस भी पी सकते हैं। वहीं 100 ग्राम नींबू खाने से भी करीब 50-60 मिलीग्राम विटामिन सी शरीर को मिलता है।

किन लोगों को मट्ठा पीने से परहेज करना चाहिए?

गर्मियों के मौसम में लोगों को छाछ पीना काफी पसंद होता है। छाछ शरीर को अंदर से ठंडक पहुंचाने का काम करती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि छाछ आपकी सेहत के लिए नुकसानदायक भी हो सकती है? कुछ लोगों को छाछ को अपने डेली डाइट प्लान का हिस्सा बनाने से बचना चाहिए वरना उनकी सेहत बुरी तरह से प्रभावित हो सकती है। आइए छाछ पीने के कुछ साइड इफेक्ट्स के बारे में जानते हैं।

गले से जुड़ी समस्या

आचार्य श्री बालकृष्ण के मुताबिक अगर आप सर्दी, खांसी या फिर जुकाम जैसी गले से जुड़ी समस्याओं से जूझ रहे हैं, तो आपको छाछ का सेवन करने से बचना चाहिए। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि छाछ की तासीर ठंडी होती है। यही वजह है कि खांसी-जुकाम में छाछ पीने की वजह से आपकी तबीयत और ज्यादा बिगड़ सकती है।

एक्जिमा का शिकार लोग

अगर आपको एक्जिमा है, तो आपको छाछ को अपने डाइट प्लान में शामिल करने से बचना चाहिए। छाछ में मौजूद कुछ तत्व आपकी त्वचा की सेहत के लिए हानिकारक साबित हो सकते हैं। एक्जिमा का शिकार लोगों को मट्ठा पीने से त्वचा पर जलन, खुजली या फिर लालपन जैसी स्किन रिलेटेड प्रॉब्लम्स का सामना करना पड़ सकता है।

लैक्टोज इनटॉलेरेंट

क्या आप लैक्टोज इनटॉलेरेंट हैं? अगर हां, तो आपको छाछ नहीं पीनी चाहिए वरना आपकी तबीयत खराब हो सकती है। लैक्टोज इनटॉलेरेंस की समस्या से जूझ रहे लोगों को छाछ या फिर दूध से बनी चीजों को कंज्यूम करने से बचना चाहिए। इस तरह के लोग दूध को सही तरीके से डाइजेस्ट नहीं कर पाते जिसकी वजह से उनकी गट हेल्थ बुरी तरह से प्रभावित हो सकती है।

अगर आप भी इस तरह की समस्याओं का सामना कर रहे हैं, तो आपको छाछ पीने से बचना चाहिए वरना आपको लेने के देने भी पड़ सकते हैं।

गर्मियों में पेट के लिए वरदान है सौंफ

खाते ही जलन-एसिडिटी को करता है दूर

गर्मियों में पेट से जुड़ी समस्याएं काफी परेशान करती हैं। जरा सा तेल मसालेदार खाना खाने से ही जलन, गैस और एसिडिटी होने लगती है। ऐसा लगता है कि खाने में सिर्फ ठंडी चीजों को ही शामिल करें। खाने के बाद जिनको ज्यादा ब्लोटिंग होती है उन्हें डाइट में कुछ घरेलू चीजों को शामिल करना चाहिए, जिससे गैस एसिडिटी कम हो। रसोई में रखी ऐसी कई चीजें हैं जिन्हें खाने से पेट की जलन और गैस एसिडिटी को कम किया जा सकता है। इसके लिए सौंफ बेहतरीन मसाला है। सौंफ खाने से पेट ठंडा रहता है। गर्मियों में खाने के बाद 1 चम्मच सौंफ खाने से डाइजेशन से जुड़ी समस्याएं नहीं होती हैं। जानिए कब और कैसे करें सौंफ का इस्तेमाल?

पेट की जलन दूर कर देगा ये मसाला

गर्मियों में सौंफ का सेवन जरूर करना चाहिए। सौंफ की तासीर ठंडी होती है। गर्मियों में कई ड्रिंक्स और दूसरी डिश में सौंफ का उपयोग किया जाता है। आप सुबह खाली पेट सौंफ का पानी पी सकते हैं। इससे पेट को ठंडक मिलेगी और जलन कम होगी। गैस एसिडिटी को भी सौंफ खाकर दूर किया जा सकता है।

कैसे करें सौंफ का सेवन

सौंफ को खाने के बाद ऐसे ही चबाकर खा सकते हैं। सौंफ और मिश्री मिलाकर भी खा सकते हैं। सौंफ को पीसकर पाउडर बना लें। पानी के साथ 1 चम्मच सौंफ का पाउडर खा लें। आप चाहें तो सौंफ का पानी भी पी सकते हैं। एसिडिटी बहुत ज्यादा बनने वालों को सुबह खाली पेट कुछ दिनों सौफ का पानी पीना चाहिए।

सौंफ के फायदे

सौंफ का सेवन करने से पाचन मजबूत होता है। सौंफ में फाइबर भरपूर होता है जिससे डाइजेशन में मदद मिलती है।

सौंफ लिवर के लिए भी अच्छी मानी जाती है। सौंफ का सेवन करने से लिवर डिटॉक्स होता है। इससे शरीर में जमा गंदगी साफ हो जाती है।

सौंफ खाने से मेटाबॉलिज्म तेज होता है। इससे वजन घटाने में भी मदद मिलती है। शरीर पर जमा फैट कम होने लगता है।

पुरानी कब्ज की समस्या को दूर करने के लिए सौंफ का इस्तेमाल फायदेमंद साबित होता है। कब्ज से परेशान लोगों को सौंफ जरूर खानी चाहिए।

ब्लड प्रेशर को ठीक रखने में भी सौंफ मदद करती है। इससे बीपी कंट्रोल होगा और दिमाग भी शांत होगा।

सौंफ का सेवन फीड कराने वाली महिलाओं के लिए फायदेमंद माना जाता है। इससे स्ट्रेस लेवल भी कम होता है।

फायदेमंद होता है धनिए का पानी

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक धनिए के पानी में विटामिन सी, ए, के, बी6, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस, पोटैशियम, कॉपर, जिंक, सेलेनियम, मैंगनीज, सोडियम, फोलेट, थायमिन, नियासिन, एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। यही वजह है कि औषधीय गुणों से भरपूर इस ड्रिंक को ओवरऑल हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता है।

गट हेल्थ के लिए फायदेमंद

आचार्य श्री बालकृष्ण के मुताबिक धनिए के पानी में पाए जाने वाले तत्व आपकी गट हेल्थ को मजबूत बनाने में कारगर साबित हो सकते हैं। क्या आप गैस, एसिडिटी या फिर कब्ज जैसी पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाना चाहते हैं? अगर हां, तो आपको धनिए के पानी को अपने डेली डाइट प्लान का हिस्सा बना लेना चाहिए। धनिए का पानी आपकी बॉडी के मेटाबॉलिज्म को बूस्ट कर आपकी वेट लॉस जर्नी को आसान बना सकता है।

बॉडी को डिटॉक्स करने में कारगर

धनिए का पानी पीकर आप अपनी बॉडी को डिटॉक्स कर अपनी किडनी और अपनी लिवर के सेहत को मजबूत बना पाएंगे। धनिए के पानी में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपके इम्यून सिस्टम को बूस्ट करने में असरदार साबित हो सकते हैं। धनिए का पानी पीकर आप अपने ब्लड शुगर लेवल को भी काफी हद तक कंट्रोल कर सकते हैं यानी डायबिटीज पेशेंट्स के लिए ये ड्रिंक फायदेमंद साबित हो सकती है। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए सही मात्रा में और सही तरीके से धनिए के पानी को कंज्यूम करना बेहद जरूरी है।

कैसे बनाएं धनिए का पानी?

धनिए का पानी बनाना बहुत आसान है। सबसे पहले धनिए के बीजों को रात भर के लिए पानी में भिगोकर रखें। अब आप अगली सुबह इस पानी को छानकर पी सकते हैं। इसके अलावा धनिए की पत्तियों को पानी में बॉइल करके भी कंज्यूम किया जा सकता है।

गर्मियों में ककड़ी खाने के फायदे

ककड़ी में विटामिन ए, विटामिन सी, विटामिन के, पोटैशियम और फाइबर जैसे कई पोषक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। गर्मियों में ककड़ी का सेवन कर आप सेहत से जुड़ी कई समस्याओं को पैदा होने से रोक सकते हैं। आइए सही मात्रा में और सही तरीके से ककड़ी को कंज्यूम करने के कुछ जबरदस्त स्वास्थ्य लाभों के बारे में जानते हैं।

नहीं होगा डिहाइड्रेशन

रोज ककड़ी खाने की वजह से आपकी बॉडी हाइड्रेटेड रहेगी और आप गर्मियों में होने वाली डिहाइड्रेशन की समस्या से बच जाएंगे। ककड़ी को हड्डियों के लिए भी फायदेमंद माना जाता है। इसके अलावा अगर आप अपनी बॉडी के मेटाबॉलिज्म को बूस्ट कर अपनी वेट लॉस जर्नी को आसान बनाना चाहते हैं, तो भी ककड़ी को अपने डेली डाइट प्लान का हिस्सा बना सकते हैं। कुल मिलाकर ककड़ी आपकी ओवरऑल हेल्थ के लिए वरदान साबित हो सकती है।

गट हेल्थ के लिए फायदेमंद

ककड़ी में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपकी गट हेल्थ के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकते हैं। पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए ककड़ी का सेवन किया जा सकता है। ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल पर काबू पाने के लिए ककड़ी को डाइट प्लान का हिस्सा बनाया जा सकता है। ककड़ी आपकी सेहत के साथ-साथ आपकी त्वचा के लिए भी फायदेमंद मानी जाती है।

सेवन करने का तरीका

ककड़ी को आप सलाद में शामिल कर सकते हैं। अगर आपको सलाद के तौर पर ककड़ी का सेवन करना पसंद नहीं है, तो आप ककड़ी का जूस बनाकर भी पी सकते हैं। अगर आप चाहें तो ककड़ी का रायता भी बना सकते हैं।

विटामिन बी12 की अधिकता से हो सकते हैं ये रोग

विटामिन बी12 की कमी की वजह से सेहत पर पड़ने वाले नेगेटिव असर के बारे में ज्यादातर लोग जानते होंगे। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस विटामिन की अधिकता की वजह से भी आपकी सेहत पर कुछ साइड इफेक्ट्स पड़ सकते हैं? कुल मिलाकर किसी भी चीज की कमी या फिर अति सेहत पर भारी पड़ सकती है। यही वजह है कि आपको किसी भी पोषक तत्व को संतुलित मात्रा में ही अपने डाइट प्लान में शामिल करना चाहिए।

सिर में दर्द/चक्कर

अगर आपके शरीर में विटामिन बी12 की ज्यादा मात्रा चली जाए, तो आपको मतली, सिर में दर्द या फिर चक्कर की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। अगर आप इस तरह की समस्याओं से बचना चाहते हैं तो आपको विटामिन बी12 का इंजेक्शन लेने से पहले डॉक्टर से कंसल्ट जरूर करना चाहिए।

हार्ट हेल्थ पर पड़ सकता है असर

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि विटामिन बी12 की अधिकता आपकी हार्ट हेल्थ पर भारी पड़ सकती है। इस विटामिन की अधिकता की वजह से आपके दिल की धड़कन बढ़ सकती है। इसके अलावा अगर आप किडनी से जुड़ी किसी बीमारी से जूझ रहे हैं, तो आपको विटामिन बी12 सप्लीमेंट लेने से बचना चाहिए।

त्वचा के लिए हानिकारक

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक विटामिन बी12 की अधिकता, आपके शरीर के साथ-साथ आपकी त्वचा पर भी बुरा असर डाल सकती है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि इस विटामिन की अधिकता की वजह से आपको मुंहासों, खुजली और रैश जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। अगर आपके शरीर में इस विटामिन की अधिकता है, तो आपको अपने डाइट प्लान में विटामिन बी12 से भरपूर खाने-पीने की चीजों को शामिल करने से बचना चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोरोना के 22 और नए वायरस मिले, ये मौत से पहले इंसान को बना देंगे पागल?

शोधकर्ताओं ने चमगादड़ों में ये नए वायरस खोजे, जो मचा सकते हैं हाहाकार

नई दिल्ली।

कोरोना वायरस से मची तबाही भूल नहीं सकते। ये ऐसी महामारी थी, जिसने न लाखों लोगों की जान ली, बल्कि संक्रमण की वजह से मानवीय रिश्तों में भी दरार देखने को मिली। अब इस कोरोना के 22 और वायरस लाइन में हैं, जिनके निकलते ही हर तरफ हाहाकार मच जाएगा। ये खोज ऐसे समय सामने आई है जब दुनिया अभी भी कोविड-19 महामारी के नए वेरिएंट से जूझ रही है। कोविड-19 का पहला मामला 2019 में चीन के वुहान शहर में सामने आया था। एक बार फिर चमगादड़ों के ज़रिये ही 22 जानलेवा वायरस फिर फैल सकते हैं, जो मौत से पहले इंसान को पागल बना देंगे।

चीन में शोधकर्ताओं ने चमगादड़ों में कम से कम 20 नए वायरस खोजे हैं, जिनसे पशुओं और इंसानों में भविष्य में खतरा पैदा हो सकता है। युनान प्रांत में 2017 से 2021 के बीच 142 चमगादड़ों के गुर्दे के ऊतकों से 22 वायरसों की पहचान की गई है। इनमें से दो वायरस हेंड्रा और निपाह की तरह ही हैं। रिसर्च में एक अज्ञात बैक्टीरिया और क्लोसिएला युन्नानेंसिस नाम का एक परजीवी मिला है। चमगादड़ फलों के बागों और गांवों के आसपास रह रहे थे, जिससे चमगादड़ के मूत्र के जरिए फलों को दूषित करने का खतरा है। यह इंसानों या पशुओं में बेहद आसानी से फैल सकता है।

ये वायरस युनान बैट हेनिपावायरस 1 और 2, पहले अज्ञात थे और इनका जेनेटिक मटेरियल, अन्य हेनिपावायरस से 52 से 57 फीसदी मिलता है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि ये वायरस फलों या पानी के जरिए इंसानों तक पहुंच सकते हैं यानि इनका संक्रमण बहुत ही आसान होगा। कोरोना की तरह सांस की गंभीर बीमारी के अलावा ये वायरस दिमाग में सूजन पैदा कर सकते हैं, जो मरीज के मस्तिष्क को डैमेज करेगा।

ये वायरस चमगादड़ों के गुर्दों में पाए गए हैं और इंसानों या पशुओं में फैलने की संभावना रखते हैं। इनके कारण कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। अभी तक शोधकर्ताओं ने किसी नई महामारी की पुष्टि नहीं की है, लेकिन खतरे को गंभीरता से लिया है।

डबल डेकर बस आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे से गिरी, दो की मौत, 50 घायल

सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी में किया जा रहा है सभी घायलों का इलाज

इटावा।

इटावा जिले के सैफई क्षेत्र में माइलस्टोन 103 पर बिहार के मधुबनी से दिल्ली जा रही डबल डेकर बस आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे से नीचे गिरने से 50 से अधिक यात्री घायल हुए हैं, जबकि दो की मौत हो गई है। 10 की हालत अे ति गंभीर बनी हुई है। सभी घायलों का इलाज सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी में किया जा रहा है। इस दर्दनाक हादसे में दो यात्रियों की मौत की पुष्टि हुई है। मरने वालों में एक महिला सईदा खातून (22) और मनोज कुमार (55) शामिल हैं। सईदा खातून नेपाल की रहने वाली थीं, जबकि मनोज कुमार बिहार के दरभंगा के निवासी थे। हादसे की सूचना मिलने के बाद यूपीडा टीम और स्थानीय थाना पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य शुरू किया. सभी घायलों को एंबुलेंस के जरिए सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी पहुंचाया गया। ऐसा माना जा रहा है कि डबल डेकर बस के चालक को नींद का झोंका आया, जिससे यह हादसा हुआ। स्थानीय थाना पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर क्रेन की मदद से बस को हटाया। दुर्घटना की शिकार बस में करीब 80 यात्री सवार थे। इटावा के डीएम शुभ्रांत कुमार शुक्ला और एसएसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव समेत अन्य अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। डीएम शुक्ला ने सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी के चिकित्सकों को घायलों का बेहतर उपचार करने के निर्देश दिए हैं। सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी के चिकित्सकों के मुताबिक, करीब 10 यात्रियों की हालत नाजुक बनी हुई है।

कारगिल विजय दिवस से एक माह पहले भारतीय सेना ने किया वीडियो पोस्ट

युवाओं को दिया 1999 की वीरगाथा की अनमोल झलकियां और संदेश

नई दिल्ली।

भारतीय सेना ने कारगिल विजय दिवस की तैयारियां शुरू कर दी हैं। 26 जुलाई को मनाए जाने वाले कारगिल विजय दिवस से पहले भारतीय सेना ने एक पोस्ट किया है, जिसके जरिए युवाओं को प्रेरित करने और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना को बढ़ावा देने की कोशिश की। भारतीय सेना ने कारगिल युद्ध की याद में एक छोटा-सा वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, जिसमें 1999 की वीरगाथा की अनमोल झलकियां और संदेश पेश किए हैं।

वीडियो में युद्ध के दौरान की कई तस्वीरें हैं, जिनके नीचे लिखा था- 1999 में दुश्मन ने सीमा पार कर ली थी। हमने दृढ़ निश्चय और अडिग भावना के साथ लड़ाई लड़ी। अपनी जमीन के हर इंच की रक्षा की। हर घुसपैठियों को कुचल दिया। वह ऊंचाइयों के पीछे छिप गए, लेकिन हमारी वीरता और भी ऊंची हो गई। कारगिल विजय दिवस 2025 में 30 दिन शेष हैं, वो युद्ध जो हमने लड़ा था और विजय हासिल की थी। यह वीडियो 26 जुलाई को मनाए जाने वाले कारगिल विजय दिवस के संदर्भ में भारतीय सेना की स्मरण और श्रद्धांजलि देता है। सेना ने एक्स पर किए गए पोस्ट में लिखा, कारगिल विजय दिवस 2025, 30 दिन बचे हैं। 30 दिन याद रखने के लिए और हमारे वीरों के अतुलनीय शौर्य को नमन। उनका साहस कारगिल की ऊंचाइयों में गूंजता है और भारत की आत्मा में सदा के लिए अंकित है। बता दें हर साल 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस मनाया जाता है जब 1999 में

भारतीय सेना ने ऑपरेशन विजय के तहत पाकिस्तानी घुसपैठियों से कारगिल की रणनीतिक ऊंचाइयों को हासिल किया था। यह युद्ध भारतीय सशस्त्र बलों की राजनीतिक दृढ़ता, सैन्य कौशल और कूटनीतिक संतुलन का प्रतीक है। इस युद्ध को न सिर्फ एक सैन्य विजय के रूप में बल्कि राष्ट्र की सामूहिक इच्छाशक्ति और रणनीतिक समझ की मिसाल के रूप में भी याद किया जाता है।

अबूझमाड़ में सुरक्षाबल और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में दो नक्सली ढेर

315 बोर राइफल समेत हथियार और गोला-बारूद बरामद, सर्च ऑपरेशन जारी

नारायणपुर।

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित जिले नारायणपुर के अबूझमाड़ इलाके में गुरुवार सुबह सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच जबरदस्त मुठभेड़ हुई।

मुठभेड़ में दो नक्सलियों को मार गिराया गया। जवानों ने मौके से दोनों के शव बरामद कर, एक 315 बोर की राइफल सहित अन्य हथियार और गोला-बारूद भी जब्त किया है। जानकारी अनुसार यह मुठभेड़ नारायणपुर जिले के कोहकामेटा थाना क्षेत्र में हुई। बताया गया है कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि इलाके में नक्सलियों की हलचल बढ़ी है।

इसी आधार पर नारायणपुर से डीआरजी और कोंडागांव से एसटीएफ की संयुक्त टीम को ऑपरेशन के लिए रवाना किया गया था। बुधवार रात जवानों ने जैसे ही संदिग्ध इलाके की घेराबंदी शुरू की, नक्सलियों के द्वारा उन पर फायरिंग शुरू कर दी गई।

इसके बाद दोनों ओर से रातभर गोलीबारी चली। गुरुवार सुबह सर्च ऑपरेशन के दौरान दो नक्सलियों के शव बरामद हुए हैं।

घटना के बाद से क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन जारी है। सूत्रों के मुताबिक, इलाके में और भी नक्सलियों के छिपे होने की आशंका है, जिसके चलते अतिरिक्त बल को भी तैनात किया गया है।

फिलहाल सुरक्षा बल इलाके में डटे हुए हैं और हालात पर नजर बनाए हुए हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह ऑपरेशन नक्सलियों के खिलाफ बड़ी सफलता माना जा रहा है।

आपातकाल दुर्भाग्यपूर्ण था, पूर्व पीएम इंदिरा गांधी ने मांगी थी माफी

शरद पवार बोले-आज भी मीडिया में सरकार की आलोचना को अच्छा नहीं मानते

मुंबई।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार ने कहा है कि देश में 50 साल पहले लगाया गया आपातकाल दुर्भाग्यपूर्ण था, लेकिन पूर्व पीएम इंदिरा गांधी ने इसके लिए माफी मांगी थी। मुंबई में एक कार्यक्रम में शरद पवार ने इस बात पर जोर दिया कि नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करना एक पवित्र कार्य है और लोगों को आज भी इनकी रक्षा के प्रति सतर्क रहने की जरूरत है।

एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने याद दिलाया कि समाजवादी दिग्गजों जॉर्ज फर्नांडिस, चंद्रशेखर और मधु दंडवते से परामर्श के बाद 1978 में महाराष्ट्र में सरकार में परिवर्तन किया गया और वह सीएम बने। केंद्र में बीजेपी नीत सरकार का जिक्र करते हुए पवार ने कहा कि मौजूदा सरकार की आलोचना को अस्वीकार्य माना जाता है। उन्होंने कहा कि आज हमें सावधान रहना होगा। आज भी मीडिया में सरकार की आलोचना को अच्छा नहीं माना जाता है। पत्रकारों को धमकाया जाता है। घोषित और अघोषित आपातकाल में फर्क होता है।

उन्होंने आम नागरिकों से किसी भी कीमत पर संसदीय लोकतंत्र को संरक्षित और सुरक्षित रखने के लिए एकजुट रहने का आह्वान किया। वरिष्ठ समाजवादी नेता दिवंगत जॉर्ज फर्नांडिस की तारीफ करते हुए पवार ने कहा कि वह एक श्रमिक संघ के नेता से केंद्र में मंत्री बने थे। पवार ने आपातकाल को दुर्भाग्यपूर्ण घटना बताया, लेकिन साथ ही कहा कि इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली सरकार ने मौलिक अधिकारों पर अंकुश लगाने, असहमति को दबाने, सामूहिक गिरफ्तारियां करने और प्रेस सेंसरशिप जैसे उपायों को लागू करने के लिए माफी भी मांगी थी।

रुद्रप्रयाग में हादसाः उफनती अलकनंदा नदी में गिरी बस,10 लोग हुए लापता

रुद्रप्रयाग।

जिले के घोलतीर में गुरुवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। उफनती अलकनंदा नदी में एक पूरी बस समा गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई है। हादसे की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां मौके पर पहुंच गई हैं। जानकारी के मुताबिक यह हादसा बद्रिनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ है। हादसे को लेकर सचिव आपदा प्रबंधन विनोद कुमार सुमन ने कहा कि दुर्घटना ग्रस्त गाड़ी के टेम्पो ट्रैवलर होने की संभावना है। गाड़ी यात्रियों को लेकर जा रही थी। मौके पर रेस्क्यू टीम पहुंच गई है। पांच से सात लोग घायल हैं। बताया जा रहा है कि एक बॉडी रिकवर कर ली गई है।

अस्पताल में भर्ती टैंपो ट्रैवलर के ड्राइवर सुमित ने पूरे हादसे की जानकारी दी है। उसने बताया कि बस केदारनाथ से बद्रीनाथ जा रही थी। इसी दौरान ट्रक ने टक्कर मार दी। जिससे टैंपो ट्रैवलर अनियंत्रित होते हुए नदी में जा गिरी। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। लापता लोगों की तलाश के लिए युद्धस्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। गाड़ी में 18 से 19 यात्रियों के होने का अनुमान है। इस बीच जानकारी मिली है कि दुर्घटनाग्रस्त बस राजस्थान से आ रही थी, जिसमें कुल 18 लोग सवार थे। अभी तक इस हादसे में एक महिला यात्री की मौत हुई है। वहीं सात लोग घायल हैं। घायलों में 9 साल के दो बच्चे भी शामिल हैं। इन दोनों घायल बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल दस यात्री लापता हैं। इस बीत बड़ी जानकारी यह मिली है कि जो टैंपो ट्रैवलर अलकनंदा नदी में गिरी है, वो ट्रक की टक्कर की वजह से गिरी है।

संक्षिप्त समाचार

260 करोड़ खर्च फिर भी कुशीनगर एयरपोर्ट पर नहीं उतर रहे विमान

बौद्ध पर्यटन के चलते किया था निर्माण, रख-रखाव में हो रहे करोड़ों खर्च

नई दिल्ली।

अभी हाल ही में पीएम नरेंद्र मोदी कुशीनगर हवाई अड्डे पर अपने विमान से उतरे थे, लेकिन आपको यह जानकर हैरानी होगी कि चार साल पहले बने इस कुशीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से कोई भी विमान नहीं उड़ता है। इसका उद्घाटन पीएम मोदी ने 4 साल पहले बौद्ध पर्यटन को लेकर किया था। उम्मीद जताई गई थी कि कम से कम भगवान बुद्ध के महापरिनिर्वाण स्थल पर अन्य बुद्धिस्ट देश के श्रद्धालु आएंगे लेकिन ऐसा हुआ नहीं। बता दें हवाई अड्डे में सिर्फ उद्घाटन के समय भारत सरकार की सब्सिडी से एक अंतर्राष्ट्रीय विमान कोलंबो से 125 यात्रियों को लेकर आया था। उसके बाद से इस एयरपोर्ट पर कोई विमान नहीं उतरा। लुम्बिनी, कपिलवस्तु, सारनाथ, श्रावस्ती और गया ये सभी बुद्धिस्ट टूरिस्ट प्लेस है। इस एयरपोर्ट को बनाने का उद्देश्य भी यही था कि यूपी के पर्यटन को इससे बढ़ावा मिलेगा, लेकिन कुशीनगर अंतर्राष्ट्रीय विमानपत्तन अब महज सफेद हाथी साबित हो रहा है। इसके रख रखाव में पांच करोड़ रुपयों से ज़्यादा खर्च हो रहे है। इसके बावजूद यहां से कोई राजस्व की प्राप्ति नहीं हो रही है। आज भी यहां के लोगों को कहीं भी जाना होता है तो उनको गोरखपुर से विमान में उड़ान भनी पड़ती है। मतलब साफ है करोड़ों खर्च करने के बाद भी यहां से विमान सेवा का सुविधा नहीं मिल पा रह है।

भारत से तीन गुना ज्यादा शराब पीते हैं यूरोपीय लोग, इस्लामी देश में बहुत ही कम

नई दिल्ली।

दुनिया में शराब की खपत के मामले में यूरोपीय देश आगे हैं। दुनिया के टॉप 10 देशों में आठ देश यूरोप के हैं। वहीं शराब की सबसे कम खपत इस्लामी देशों में है। खाड़ी देश कुवैत में तो शराब बिकती ही नहीं है। वहां कोई शराब नहीं पीता। भारत में प्रति व्यक्ति शराब की सालाना खपत 5.7 लीटर है जबकि पाकिस्तान में यह महज 0.3 लीटर है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक यूरोपीय देश मोल्दोवा में शराब की प्रति व्यक्ति सालाना खपत 15.2 लीटर है। इसमें 15 साल से ऊपर के लोगों को शामिल किया गया। इस सूची में लिथुआनिया दूसरे नंबर पर है। इस देश में हर व्यक्ति सालाना 15 लीटर शराब पी जाता है। इसके बाद चेक गणराज्य 14.4 लीटर, अफ्रीकी देश सेशेल्स 13.8 लीटर, जर्मनी 13.4 लीटर, नाइजीरिया 13.4 लीटर, आयरलैंड 13 लीटर, लात्विया 12.9 लीटर, बुल्गारिया 12.7 लीटर और फ्रांस 12.6 लीटर है। रूस में प्रति व्यक्ति सालाना 11.7 लीटर शराब का यूज करता है जबकि ब्रिटेन में प्रति व्यक्ति खपत 11.4 लीटर, ऑस्ट्रेलिया में 10.6 लीटर और साउथ कोरिया में 10.2 लीटर है। स्पेन 10 लीटर, अमेरिका 9.8 लीटर, कनाडा 8.9 लीटर, जापान 8 लीटर और चीन 7.2 लीटर है। वेनेजुएला 5.6 लीटर, उत्तर कोरिया 3.9 लीटर, इजराइल 3.8 लीटर, सिंगापुर 2.5 लीटर, तुर्की 2 लीटर, ईरान 1 लीटर और इंडोनेशिया 0.8 लीटर इस मामले में यह सभी भारत से पीछे हैं।

दिलजीत दोसांझ के समर्थन में उतरा पंजाबी सिंगर

जसबीर जस्सी ने कहा, 'डबल स्टैंडर्ड' यानी दोहरी मानसिकता सही नहीं

मुंबई।

दिलजीत दोसांझ की फिल्म 'सरदार जी 3' में पाकिस्तानी अ भिनेत्री हानिया आमिर के शामिल होने को लेकर बवाल मचा हुआ है। भारत में फिल्म के ट्रेलर तक को यूट्यूब तक से हटा दिया है। जहां सिंगर मीका सिंह और दिलजीत के भारतीय फैंस इसका विरोध कर रहे हैं। वहीं दिलजीत जाने माने पंजाबी सिंगर जसबीर जस्सी ने दिलजीत दोसांझ का खुलकर समर्थन किया है। जस्सी ने कहा कि वो लोगों की भावनाओं का सम्मान करते हैं लेकिन 'डबल स्टैंडर्ड' यानी दोहरी मानसिकता सही नहीं है। जसबीर जस्सी ने एक साक्षात्कार में कहा, मैं देख रहा हूं कि दिलजीत दोसांझ और उनकी फिल्म का विरोध हो रहा है क्योंकि उसमें एक पाकिस्तानी कलाकार ने काम किया है। मैं देशभक्ति और लोगों की भावनाओं का सम्मान करता हूं लेकिन सवाल ये है कि डबल स्टैंडर्ड क्यों? अगर आप नहीं चाहते कि पाकिस्तानी कलाकार हमारे गानों में गाएं, फिल्मों में काम करें तो फिर उनके बनाए गानों का इस्तेमाल भी बंद कीजिए। हमारी इंडस्ट्री के 80 फीसदी गाने चोरी हुए हैं, चाहे वो उनकी धुन हो, शब्द हो या पूरा गाना। कई गाने सीधे उनके कलाकारों ने गाए हैं। मैं किसी का नाम नहीं लेना चाहता क्योंकि लिस्ट बहुत लंबी है लेकिन ये डबल स्टैंडर्ड क्यों?' गौरतलब है कि दिलजीत दोसांझ की फिल्म 'सरदार जी 3' में पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर नजर आने वाली हैं। इसके बाद से सोशल मीडिया पर लोग जमकर विरोध कर रहे हैं। कई लोग इसे राष्ट्रभावनाओं को ठेस बता रहे हैं।

ब्रिक्स में इजरायल या अमेरिका का नाम नहीं लिया गया, ईरान ने भारत का आभार व्यक्त किया

नई दिल्ली।

भारत ने ईरान पर अमेरिकी और इजरायली सैन्य हमलों को लेकर ब्रिक्स समूह के साथ मिलकर सख्त चिंता व्यक्त की है। ब्रिक्स देशों ने 13 जून से ईरान पर जारी हमलों को अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर का गंभीर उल्लंघन करार दिया है। इस बयान में भारत ने स्पष्ट रूप से हमलों की निंदा की है। हालांकि ब्रिक्स के बयान में इजरायल या अमेरिका का नाम नहीं लिया गया है। भारत का यह कदम ऐसे समय में सामने आया है जब 10 दिन पहले एससीओ (शंघाई सहयोग संगठन) के एक बयान से खुद को अलग कर लिया था, जिसमें इजरायल की आलोचना की गई थी। ब्रिक्स के इस कड़े बयान में भारत की प्रत्यक्ष भागीदारी और समर्थन ऐसे समय में आया है जब हाल ही में भारत ने एससीओ के आलोचनात्मक बयान से खुद को अलग कर लिया था। एससीओ के उस बयान में इजरायल की सैन्य कार्रवाई को संप्रभुता का उल्लंघन कहा गया था। विदेश मंत्रालय ने 14 जून को कहा था, भारत ने एससीओ के इस बयान में भाग नहीं लिया। भारत का स्वयं का रुख 13 जून को स्पष्ट रूप से व्यक्त किया जा चुका है, जिसमें हमने तनाव घटाने के लिए संवाद और कूटनीति की अपील की थी।

ईरान ने भारत का जताया आभार ईरान के दिल्ली स्थित दूतावास ने एक बयान जारी करते हुए भारत का आभार जताया। बयान में कहा, हम भारत के उन सभी लोगों, राजनीतिक दलों, सांसदों, सामाजिक संगठनों, धार्मिक नेताओं, शिक्षाविदों और मीडिया सदस्यों के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं जिन्होंने ईरान के साथ एकजुटता दिखाई। ईरानी जनता की यह प्रतिरोध केवल अपने देश की रक्षा नहीं थी, बल्कि यह संयुक्त राष्ट्र चार्टर, मानवीय सिद्धांतों और अंतरराष्ट्रीय कानून की मूलभूत धारणाओं की रक्षा का प्रतीक भी थी। हम मानते हैं कि राष्ट्रों की एकता और एकजुटता युद्ध, हिंसा और अन्याय के विरुद्ध एक शक्तिशाली ढाल है।

पीएम मोदी जाएंगे ब्राजील यात्रा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 5-6 जुलाई को रियो डी जेनेरियो में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। माना जा रहा है कि ईरान संकट और मध्य-पूर्व की स्थिरता ब्रिक्स एजेंडे में प्रमुख विषय होंगे।

हमले को लेकर ब्रिक्स की चेतावनी

ब्रिक्स का बयान खासतौर पर उन हमलों को लेकर था जो ईरान के फोर्दो, इस्फहान और नतान्ज जैसे परमाणु स्थलों पर हुए। इसमें कहा गया, परमाणु स्थलों पर हमले न केवल अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ हैं, बल्कि आम नागरिकों और पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा हैं। ब्रिक्स ने मध्य-पूर्व में परमाणु हथियार मुक्त क्षेत्र स्थापित करने की मांग को दोहराया और सभी पक्षों से संयम बरतने और शांति के लिए संवाद का मार्ग अपनाने की अपील की है।

जमात-ए-इस्लामी पर भारत में लगे कई गंभीर आरोप, उसे बांग्लादेश ने सिर पर बिठाया

बांग्लादेश ने जमात-ए-इस्लाम को राजनीतिक दल के तौर पर मान्यता देकर चुनाव चिन्ह भी किया बहाल

नई दिल्ली।

बांग्लादेश के चुनाव आयोग ने जमात-ए-इस्लामी को राजनीतिक दल के तौर पर मान्यता दे दी है। उसका चुनाव चिन्ह भी बहाल कर दिया है। ये वही जमात-ए-इस्लामी है, जिस पर भारत में कई गंभीर आतंकवादी साजिशों में शामिल रहने के आरोप लगे हैं। जम्मू-कश्मीर और असम में इसकी अवैध गतिविधियों को खुफिया एजेंसियों ने कई बार डीकोड किया है। जमात-ए-इस्लामी पाकिस्तान से बांग्लादेश से आजादी के खिलाफ रही है। शेख हसीना जब बांग्लादेश की प्रधानमंत्री थीं, तब उन्होंने जमात-ए-इस्लामी को कभी पनपने नहीं दिया। इसके पर कतर कर रखे, लेकिन जबसे वहां तख्तापलट हुआ, मुहम्मद यूनुस की सरकार आई, जमात-ए-इस्लामी की ताकत बढ़ती जा रही है। पहले उसे सत्ता में भागीदार बनाया गया। उससे जुड़े कई लोगों को सरकार में जगह दी गई और अब उसकी चुनाव लड़ने की मान्यता भी बहाल कर दी गई है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार बनते ही जमात-ए-इस्लामी पर लगा प्रतिबंध हटा दिया गया था, इसके आठ महीने बाद बांग्लादेश सुप्रीम कोर्ट ने एक जून को जमात-ए-इस्लामी का पंजीकरण बहाल करने का आदेश दिया था। इससे जमात-ए-इस्लामी का चुनावों में भागीदारी का रास्ता साफ हो गया है। जमात-ए-इस्लामी 1971 में पाकिस्तान से बांग्लादेश की आजादी के खिलाफ थी. साल 2013 में बांग्लादेश सुप्रीम कोर्ट ने इसकी गतिविधियों पर रोक लगाते हुए पार्टी का रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया था तब सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा था कि यह पार्टी चुनाव लड़ने योग्य नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

चीन की मदद से स्थिर हुई पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था : शहबाज

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने मंगलवार को कहा कि चीन के लगातार वित्तीय और आर्थिक समर्थन से पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को स्थिर करने में मदद मिली है। उन्होंने कहा, इस्लामाबाद चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के तहत विभिन्न परियोजनाओं को पूरा करने के लिए बीजिंग के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध है।

गेट्स फाउंडेशन गावी टीकों के लिए देगा 1.6 अरब डॉलर

न्यूयार्क, एजेंसी। गेट्स फाउंडेशन ने मंगलवार को कहा कि वह अगले पांच वर्षों में गावी को समर्थन देने के लिए 1.6 अरब डॉलर देगा। यह एक सार्वजनिक-निजी भागीदारी है जो दुनिया के सबसे गरीब बच्चों के लिए टीके खरीदने में मदद करती है। फाउंडेशन के अध्यक्ष बिल गेट्स ने कहा, विदेशी मदद में भारी कटौती के कारण इस साल दुनिया भर में मरने वाले बच्चों की संख्या में वृद्धि होने की संभावना है।

ट्रंप प्रशासन गाजा में खाना बांटने वाले इस्राइल समर्थित समूह को 30 मिलियन डॉलर देगा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने फैसला किया है कि वह गाजा में खाना बांटने वाले इस्राइल समर्थित समूह को 30 मिलियन अमेरिकी डॉलर देगा। यह जानकारी एक अमेरिकी अधिकारी ने मंगलवार को दी। यह पैसा उस समय दिया जा रहा है जब इस्राइल और हमास के बीच युद्ध चल रहा है। यह पहली बार है जब अमेरिकी सरकार ने गाजा में मानवीय सहायता देने के लिए इस तरह की मदद की है। अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि यह एक संवेदनशील और विवादास्पद मामला है, लेकिन अमेरिका ने इस मदद को मंजूरी दे दी है।

विदेशी छात्रों को आकर्षित करने के लिए स्पेन ने वीजा नियमों में दी ढील

मैड्रिड, एजेंसी। स्पेन ने विदेशी छात्रों के लिए अपने विश्वविद्यालयों में त्वरित प्रवेश (फास्ट एंट्री) को मंजूरी दे दी है। स्पेने के प्रवासन मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि, जो छात्र वीजा निलंबन के कारण अमेरिका में अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर सकते हैं, वे स्पेन जा सकेंगे। मंत्रालय ने कहा कि वीजा छात्रों को अंशकालिक काम करने की भी अनुमति देगा। उल्लेखनीय है कि ट्रंप ने अमेरिका के कई शीर्ष विश्वविद्यालयों में विदेशी छात्रों को वीजा नियमों में कड़ाई कर दी है। इसके चलते हजारों छात्र दूसरे देशों का विकल्प तलाशने लग गए हैं। ट्रंप के इस फैसले से स्पेन सहित कई यूरोपीय देशों को प्रतिभाशाली छात्रों को आकर्षित करने के लिए अवसर मिल गया। ओपन डोर्स वेबसाइट के अनुसार, विदेश में अध्ययन करने के इच्छुक छात्रों के लिए शीर्ष विकल्पों में स्पेन, ब्रिटेन और इटली के बाद तीसरे स्थान पर है। यहां हर साल कम से कम 20,000 छात्र अपनी पढ़ाई पूरी करने के लिए वीजा के लिए आवेदन करते हैं।

मध्य अफ्रीकी गणराज्य में हथियारबंद लोगों के हमले में संयुक्त राष्ट्र के शांतिरक्षक की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र ने मंगलवार को बताया कि मध्य अफ्रीकी गणराज्य में हथियारों से लैस लोगों के हमले में एक शांतिरक्षक की मौत हो गई। इस घटना पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने चिंता जताई है, क्योंकि हाल के समय में शांतिरक्षकों पर हमले बढ़ गए हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव के प्रवक्ता के अनुसार, यह हमला शुक्रवार को हुआ, जब कुछ संदिग्ध सूडानी सशस्त्र समूहों ने देश की उत्तरी सीमा के पास अम-सिसिया 1 नाम के गांव में शांतिरक्षकों की एक टीम पर हमला किया। इस हमले में जाम्बिया का एक शांतिरक्षक मारा गया और एक अन्य घायल हो गया, जिसका इलाज चल रहा है। मृतक सैनिक की पहचान 33 वर्षीय स्टीफन मुलोक सचचोमा के रूप में हुई है। वह संयुक्त राष्ट्र के शांति मिशन मिनुस्का के तहत जाम्बियन सेना में तैनात थे।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में 11 विद्रोही ढेर

क्वेटा, एजेंसी। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने मंगलवार को खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के दक्षिण वजीरिस्तान जिले के सरारोगा क्षेत्र में 11 विद्रोहियों को मार गिराया। इस अभियान को खुफिया जानकारी के आधार पर अंजाम दिया गया। सेना के मीडिया विंग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने बताया कि ऑपरेशन के दौरान सात विद्रोही घायल हो गए। मुठभेड़ में दो सुरक्षाकर्मी भी मारे गए हैं। आईएसपीआर ने कहा कि क्षेत्र में तलाशी अभियान जारी है। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के गवर्नर फैसल करीम कुंदी ने सरकार भंग करने की मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर की धमकी को लेकर मंगलवार को चेताया कि यह देशद्रोह जैसा अपराध है। गंडापुर ने सोमवार को आरोप लगाया था कि संघीय सरकार प्रांत में आपातकाल लगाने की साजिश कर रही है। ऐसे में यदि पार्टी अध्यक्ष इमरान खान आदेश देंगे तो वह सरकार तुरंत भंग कर देंगे। कुंदी ने कहा, प्रांतीय सरकार एक सजायाफ्ता कैदी के निर्देश पर चल रही है।

हसीना की भतीजी ट्यूलिप सिद्दीक ने इंटरपोल से मांगी मदद

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की भतीजी और ब्रिटिश सांसद ट्यूलिप सिद्दीक इन दिन विवादों के केंद्र में हैं। बांग्लादेश के भ्रष्टाचार निरोधी आयोग ने ट्यूलिप के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है और इस मामले में इंटरपोल की मदद लेने की बात कही जा रही है। बांग्लादेश की भ्रष्टाचार विरोधी संस्था एंटी करप्शन कमीशन (एसीसी) के अध्यक्ष मोहम्मद अब्दुल मोमेन ने मंगलवार को कहा कि ट्यूलिप सिद्दीक पर कार्रवाई इंटरपोल से परामर्श के बाद की जाएगी। लेकिन आखिर क्यों बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ट्यूलिप सिद्दीक के पीछे पड़ी है? आइए, जानते हैं।

मोमेन ने मीडिया से बातचीत में कहा, ट्यूलिप सिद्दीक के खिलाफ वारंटी जारी है और उन्हें भगोड़ा घोषित किया गया है। इंटरपोल से सलाह-मशविरा कर हम आगे की कार्रवाई करेंगे। यह बयान ऐसे समय आया है जब एक दिन पहले ट्यूलिप सिद्दीक ने मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की अंतरिम सरकार पर उनकी छवि खराब करने के लिए झूठा अभियान चलाने का आरोप लगाया था।

भ्रष्टाचार के आरोप और गिरफ्तारी वारंट : ट्यूलिप सिद्दीक ब्रिटेन की लेबर पार्टी की सांसद हैं और लंदन के हैम्पस्टेड और हाईगेट निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करती हैं। उन पर बांग्लादेश में शेख हसीना के शासनकाल के दौरान अवैध रूप से जमीन हासिल करने और भ्रष्टाचार में शामिल होने के आरोप लगे हैं। बांग्लादेश के भ्रष्टाचार निरोधी आयोग ने अप्रैल 2025 में ट्यूलिप, शेख हसीना, उनकी बहन शेख रेहाना और अन्य 50 लोगों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था।

आयोग का दावा है कि ट्यूलिप ने अपनी खाला शेख हसीना के प्रधानमंत्री रहते हुए अपने राजनीतिक प्रभाव का दुरुपयोग कर ढाका में गैरकानूनी तरीके से भूखंड हासिल किए। इसके अलावा, यह भी आरोप है कि हसीना सरकार के दौरान लगभग 234 अरब डॉलर (लगभग 27.38 लाख करोड़ टका) भ्रष्टाचार के जरिए देश से बाहर भेजे गए, जिनमें से एक बड़ा हिस्सा ब्रिटेन में निवेश किया गया।

आरोपों का आधार और ट्यूलिप का जवाब : बांग्लादेश की भ्रष्टाचार निरोधक आयोग ने ट्यूलिप पर आरोप लगाया है कि उन्होंने अपनी खाला (मौसी) शेख हसीना के शासनकाल के दौरान अवैध रूप से जमीन हासिल की थी। एसीसी का दावा है कि ट्यूलिप या उनकी मां को ढाका के पुर्बाचल न्यू टाउन प्रोजेक्ट में सत्ता और प्रभाव का दुरुपयोग करके 7,200 वर्ग फुट का एक भूखंड आवंटित किया गया था। इसके अलावा, यूनुस ने मार्च 2025 में स्काई न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में कहा था कि ट्यूलिप के पास बांग्लादेश में बहुत सारी संपत्ति है और उन्हें इसके लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। तुलिप ने इन बयानों को उनके खिलाफ निष्पक्ष जांच के अधिकार को प्रभावित करने वाला बताया है। ट्यूलिप ने अपने वकीलों के माध्यम से यूनुस और एसीसी को कानूनी नोटिस भेजा है, जिसमें उन्होंने मांग की है कि उनके खिलाफ चल रही जांच को तत्काल बंद किया जाए। नोटिस में कहा गया है कि यह अभियान पूरी तरह से गलत और गैरकानूनी है।

इंटरपोल की मदद क्यों? : बांग्लादेश पुलिस के राष्ट्रीय केंद्रीय ब्यूरो ने हाल ही में इंटरपोल के माध्यम से एक अनुरोध भेजा है, जिसमें शेख हसीना सहित 12 लोगों के खिलाफ रेड नोटिस जारी करने की मांग की गई। रेड नोटिस का उपयोग प्रत्यर्पण या कानूनी कार्रवाई के लिए व्यक्तियों का पता लगाने और उन्हें अस्थायी रूप से गिरफ्तार करने में किया जाता है। भ्रष्टाचार निरोधी आयोग के एक अधिकारी ने कहा कि ट्यूलिप के खिलाफ कार्रवाई को मजबूत करने के लिए इंटरपोल के साथ परामर्श किया जाएगा। हालांकि, यह मामला जटिल है क्योंकि ब्रिटेन और बांग्लादेश के बीच कोई प्रत्यर्पण संधि नहीं है। इसलिए, गिरफ्तारी वारंट को लागू करना कानूनी और कूटनीतिक रूप से चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

बांग्लादेश समाचार संघ के अनुसार, एसीसी प्रमुख ने कहा, सिर्फ पत्र भेजकर मामले को सुलझा लिया जाएगा, यह उम्मीद नहीं की जा सकती। अगर किसी के खिलाफ मामला दर्ज है, तो उसे अदालत का सामना करना चाहिए।

ग्रीस दौरे पर पहुंचे भारतीय वायुसेना प्रमुख एपी सिंह, रक्षा साझेदारी को मिलेगी नई रफ्तार

एथेंस, एजेंसी। भारत और ग्रीस के रक्षा संबंधों को और मजबूती देने के मकसद से भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह आधिकारिक दौरे पर ग्रीस पहुंचे हैं। इस दौरे के दौरान ग्रीस की वायुसेना की ओर से उनका भव्य स्वागत किया गया और उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। दोनों देशों के बीच जारी सैन्य सहयोग को नई दिशा देने की उम्मीद इस दौरे से जताई जा रही है।सोमवार को एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ग्रीस पहुंचे। वहां पापागु मिलिट्री बेस स्थित हेलेनिक एयर फोर्स जनरल स्टाफ में ग्रीस के वायुसेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल डिमोस्थेनिस ग्रिगोरियादिस ने उनका औपचारिक स्वागत किया। इस दौरान उन्हें ग्रीस की वायुसेना की संरचना, मिशन और संचालन गतिविधियों की जानकारी दी गई।भारतीय वायुसेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि इस दौरे का मुख्य उद्देश्य संचालन और प्रशिक्षण के क्षेत्र में दोनों देशों के बीच सहयोग को और मजबूती देना है। एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने ग्रीस की लड़ाकू इकाइयों का दौरा किया और स्टाफ टॉक्स में हिस्सा लिया। दोनों देशों की वायुसेनाएं पहले भी संयुक्त सैन्य अभ्यास जैसे इनियोखोस-23, इनियोखोस-25 और तरंग शक्ति-24 में भाग ले चुकी हैं।गौरतलब है कि इन सैन्य अभ्यासों के जरिए दोनों देशों की सेनाओं के बीच इंटरऑपरेबिलिटी यानी एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करने की क्षमता में इजाफा हुआ है। इसके साथ ही रणनीतिक साझेदारी भी मजबूत हुई है, जो वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में बेहद अहम मानी जा रही है।दौरे के दौरान एयर चीफ मार्शल सिंह, ग्रीस की लड़ाकू इकाइयों के अलावा डेकलिया एयर बेस स्थित हेलेनिक वायुसेना अकादमी का भी दौरा करेंगे। इस दौरान दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों के बीच आपसी प्रशिक्षण, तकनीकी सहयोग और संयुक्त सैन्य योजनाओं पर विस्तार से बातचीत होगी।विशेषज्ञों का मानना है कि जब भूमध्य सागर और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में सुरक्षा चुनौतियां बढ़ रही हैं, ऐसे समय में भारत और ग्रीस का सैन्य सहयोग दोनों देशों की सामरिक तैयारियों को मजबूती देगा। एयर चीफ मार्शल एपी सिंह का यह दौरा न सिर्फ रक्षा साझेदारी को नई ऊंचाई देगा बल्कि भारत की वैश्विक सैन्य कूटनीति को भी मजबूत करेगा।

ताहो झील में नाव पर जन्मदिन का जश्न मना रहा था परिवार, अचानक आया तेज तूफान; आठ लोगों की मौत

सैन फ्रांसिस्को, एजेंसी। कैलिफोर्निया की ताहो झील में बड़ा हादसा हुआ। अचानक आए तूफान ने एक परिवार की खुशियां काफूर कर दीं। तूफान के चलते झील में नाव पर जन्मदिन का जश्न मना रहे एक परिवार के चार लोगों समेत आठ की मौत हो गई। जबकि दो लोगों को कड़ी मशक्कत के बाद बचाया गया।

उत्तरी कैलिफोर्निया के रेडवुड सिटी 73 वर्षीय टेरी पिक्ल्स ताहो झील में अपने बेटे सैन फ्रांसिस्को निवासी 37 वर्षीय जोश पिक्ल्स की नाव पर अपनी पत्नी 71 वर्षीय पाउला बोजिनोविच का जन्मदिन मना रहे थे। इस दौरान अचानक आए तेज तूफान में नाव पलट गई। हादसे में जोश पिक्ल्स, उनके पिता टेरी पिक्ल्स, मां पाउला बोजिनोविच और लिंकन निवासी उनके चाचा 72 वर्षीय पीटर बेयस की मौत हो गई। जोश पिकल्स की पत्नी जॉर्डन सुगर-कार्ल्सगार्ड ने कहा कि हम उस दर्द और पीड़ा को शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकते हैं जो हमें यह जानकर महसूस हो रहा है कि झील पर आनंदमय समय बिताने के दौरान उनकी जान चली गई। हमारी संवेदनाएं उन लोगों के साथ हैं जिन्होंने दुखद रूप से अपनी जान गवां दी। परिवार के प्रवक्ता सैम सिंगर ने बताया कि सभी लोग पाउला बोजिनोविच का जन्मदिन मना रहे थे।

नेतन्याहू का दावा- जंग में इजराइल की जीत हुई:कहा- हमारी दहाड़ से तेहरान हिल गया

तेहरान/तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल-ईरान के बीच जंग के 12वें दिन, यानी मंगलवार को सीजफायर हो गया। दोनों देशों ने इसकी पुष्टि की है और साथ ही इस जंग में अपनी जीत का दावा किया। इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि ईरान के खिलाफ इजराइल ने ऐतिहासिक जीत हासिल की है, जो पीढ़ियों तक याद रखी जाएगी। उन्होंने कहा- हम शेर की तरह उठे और हमारी दहाड़ ने तेहरान को हिला दिया। दूसरी तरफ ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि उनका देश न्यूक्लियर प्रोग्राम बंद नहीं करेगा। उन्होंने कहा- हमने इस तकनीक को हासिल करने के लिए बहुत मेहनत की है। हमारे वैज्ञानिकों ने बलिदान दिए हैं। ईरान की राजधानी तेहरान में कल विक्ट्री सेलिब्रेशन प्रोग्राम भी आयोजित किया गया। बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ने सबसे पहले मंगलवार तड़के 3:30 बजे सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दोनों देशों में सीजफायर की जानकारी दी थी।

ईरान के कमांडरों और वैज्ञानिकों का शनिवार को अंतिम संस्कार होगा

ईरान और इजराइल के बीच 12 दिनों तक चले संघर्ष में मारे गए शीर्ष सैन्य अधिकारियों और परमाणु वैज्ञानिकों का शनिवार को राजधानी तेहरान में राजकीय अंतिम संस्कार आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी ईरान की आधिकारिक समाचार एजेंसी आईआरएनए ने दी है। एजेंसी ने यह भी बताया कि 13 जून को मारे गए रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स प्रमुख हुसैन सलामी को गुरुवार को दफनाया जाएगा।

ईरान ने 700 लोगों को गिरफ्तारी किया : ईरान ने 12 दिन चले संघर्ष के दौरान 700 लोगों को गिरफ्तार किया है। इन पर इजराइल से संबंध होने का आरोप है। यह जानकारी ईरान से जुड़े सरकारी मीडिया प्लेटफॉर्म नूरन्यूज़ ने दी है। इन लोगों पर संघर्ष के दौरान इजराइली खुफिया एजेंसी मोसाद से संबंध रखने और दुश्मन के पक्ष में काम करने का आरोप है।

ईरान पर हमले को लेकर अमेरिकी संसद की गोपनीय ब्रीफिंग टली : ट्रम्प प्रशासन ने ईरान पर अमेरिकी हमले को लेकर सीनेट और हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स के सदस्यों के लिए तय गोपनीय ब्रीफिंग को टाल दिया है। न्यूज एजेंसी एपी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि सीनेट की ब्रीफिंग अब गुरुवार को होगी, ताकि रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ और विदेश मंत्री मार्को रुबियो उसमें शामिल हो सकें। वहीं, हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स की ब्रीफिंग शुक्रवार तक टाल दी गई है। यह जानकारी हाउस स्पीकर माइक जॉनसन ने दी।

ईरान ने इजराइल के लिए जासूसी करने वाले 3 लोगों को फांसी दी : ईरान ने इजराइल के लिए जासूसी के आरोप में तीन लोगों को आज सुबह फांसी पर लटका दिया है। इनके नाम इदरीस अली, आजाद शुजाई और रसूल अहमद रसूल हैं। यह तीसरा मामला है जब कुछ ही दिनों में इजराइल के लिए जासूसी करने वालों को फांसी दी गई है।

तुर्की की सेना में भरे राष्ट्रपति एर्दोगन के विरोधी, अब 158 सैनिकों को जेल में डाला

इस्तांबुल, एजेंसी। तुर्की पुलिस ने मंगलवार को 158 सैन्य कर्मियों को गिरफ्तार किया। इन सैनिकों पर 2016 के असफल तख्तापलट की साजिश रचने के आरोपी फतेहुल्लाह गुलेन से संबंध होने का संदेह है। इस्तांबुल में सरकारी वकील के कार्यालय ने यह जानकारी दी। गुलेन एक धार्मिक नेता थे और 2024 में उनका निधन हो चुका है। वे कभी राष्ट्रपति रेसेप तईप एर्दोगन के करीबी सहयोगी थे, लेकिन बाद में दोनों कट्टर विरोधी बन गए।

गुलेन 1999 में अमेरिका चले गए थे और कभी तुर्की वापस नहीं लौटे। तुर्की सरकार का आरोप है कि गुलेन का हिजमत आंदोलन देश में एक समांतर राज्य की स्थापना की कोशिश कर रहा था। इसी आरोप में 2016 के बाद से अब तक करीब 26,000 लोगों को हिरासत में लिया जा चुका है। इनमें से 9,000 से अधिक लोगों को जेल भेजा गया है।

ताजा गिरफ्तारियों में मुख्य रूप से सेना के सदस्य शामिल हैं। इनमें कई बड़े सैन्य अधिकारी भी शामिल हैं जिन्हें राष्ट्रपति एर्दोगन का विरोधी माना जाता है। साथ ही यह भी बताया गया कि 18 अन्य सैन्यकर्मियों की तलाश अभी भी जारी है। गौरतलब है कि मई के अंत में भी सेना के करीब 50 सदस्यों को इसी सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था। इसके अलावा, मई में ही 65 सैनिकों और पुलिस अधिकारियों को गुलेन से संबंधों के संदेह में हिरासत में लिया गया था। तुर्की सरकार ने गुलेन के अनुयायियों को वैश्विक स्तर पर निशाना बनाने की कसम खाई है, और यह कार्रवाई उसी दिशा में एक कदम है। तुर्की सरकार हिजमत आंदोलन को आतंकी संगठन घोषित कर चुकी है।

2016 के तख्तापलट के प्रयास के बाद तुर्की में बड़े पैमाने पर छंटनी और गिरफ्तारियां देखी गई हैं। सरकार ने इस घटना के लिए गुलेन के आंदोलन को जिम्मेदार ठहराया था, जिसे तुर्की ने फतेहुल्लाहवादी आतंकी संगठन के रूप में नामित किया है। तब से, हजारों सैन्य कर्मियों, सिविल सेवकों, शिक्षकों और न्यायाधीशों को नौकरी से हटाया गया या गिरफ्तार किया गया है।

फ्रांस म्यूजिक फेस्टिवल के दौरान लोगों पर सुई से हमला, 145 लोग घायल, 12 संदिग्ध गिरफ्तार

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस में 21 जून को एनुअल स्ट्रीट म्यूजिक फेस्टिवल फेते डे ला म्यूजिक के दौरान कुछ संदिग्धों ने फेस्टिवल में आए लोगों को भीड़ का फायदा उठाते हुए इन्जेक्शन लगा दिए। सिरिंज हमले अक्सर अचानक और छिपकर किए जाते हैं। द गार्डियन के मुताबिक ये स्पष्ट नहीं है कि इन्जेक्शन में डेट-रेप ड्रग्स जैसे रोहिप्नोल या जीएचबी दिए गए या नहीं। ये ड्रग्स लोगों को बेहोश नशे में लाने के लिए इस्तेमाल होते हैं। कुछ पीड़ितों को टॉक्सिकोलॉजी टेस्ट के लिए अस्पताल ले जाया गया।घटना के बाद मौके पर अफरातफरी का माहौल हो गया। कई संदिग्धों ने मौके पर तोड़फोड़ भी की। घटना का विडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

देशभर में 145 सिरिंज लगाने की शिकायत, 12 गिरफ्तार : इन्जेक्शन देने की शिकायत के बाद पुलिस ने 12 संदिग्धों को हिरासत में लिया। इससे पहले एक फेमिनिस्ट इन्फ्लुएंसर ने पहले चेतावनी दी थी कि सोशल मीडिया पर महिलाओं को सिरिंज से निशाना बनाने की बातें हो रही थीं। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि ये पोस्ट कहां या किसने किए। फ्रांस के गृह मंत्रालय ने बताया कि देशभर में 145 लोगों ने सिरिंज से चुभने की शिकायत की, जिनमें पेरिस में 13 मामले शामिल हैं। पेरिस में तीन लोगों, जिनमें एक 15 साल की लड़की और 18 साल का लड़का शामिल है, ने सिरिंज से चुभने की शिकायत की।

देशभर में 370 से ज्यादा लोग हिरासत में लिए गए

इससे पहले 2022 में भी क्लब, बार और संगीत आयोजनों में सिरिंज हमलों की शिकायतें आई थीं। सरकार ने तब लोगों को सतर्क रहने और सिरिंज से ड्रग दिए जाने की आशंका पर तुरंत पुलिस में शिकायत करने और टॉक्सिकोलॉजी टेस्ट कराने की सलाह दी थी। इस बार के उत्सव में 370 से ज्यादा लोग विभिन्न आरोपों में हिरासत में लिए गए हैं। जिनमें पेरिस में 90 लोग शामिल हैं। 14 लोग गंभीर रूप से घायल हुए, जिनमें एक 17 साल का लड़का भी है, जिसे पेट में चाकू के घाव के साथ पाया गया। 13 पुलिसकर्मी भी घायल हुए।

ईरान के परमाणु ठिकाने तबाह नहीं कर पाई अमेरिकी बमबारी, खुफिया रिपोर्ट लीक हुई तो भड़के ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में ईरान के तीन परमाणु स्थलों- फोर्दो, नतांज और इस्फहान पर किए गए अमेरिकी हवाई हमलों को सबसे सफल सैन्य हमलों में से एक करार दिया था। हालांकि, एक नई खुफिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इन हमलों से ईरान का परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह नष्ट नहीं हुआ, बल्कि इसे केवल कुछ महीनों के लिए पीछे धकेला गया। इस रिपोर्ट के बाद ट्रंप भड़के नजर आ रहे हैं। खुफिया रिपोर्ट के सार्वजनिक होने के बाद, ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए सीएनएन और न्यूयॉर्क टाइम्स जैसे मीडिया आउटलेट्स पर निशाना साधा।

ट्रंप ने बुधवार को मीडिया संस्थानों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पेंटागन की प्रारंभिक आकलन रिपोर्ट को लेकर सीएनएन और न्यूयॉर्क टाइम्स ने जो खबर चलाई वह झूठी और देश को कमजोर करने की साजिश है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, फेक न्यूज सीएनएन और फेलिंग न्यूयॉर्क टाइम्स ने मिलकर इतिहास की सबसे सफल सैन्य कार्रवाई को बदनाम करने की कोशिश की है। ईरान के परमाणु ठिकाने पूरी तरह तबाह हो चुके हैं!

शनिवार को अमेरिका ने इजरायल के समर्थन में ईरान के तीन प्रमुख परमाणु ठिकानों- फोर्दो, नतांज और इस्फहान पर 'बंकर बस्टर' बमों से हमला किया था। ये बम 18 मीटर कंक्रीट या 61 मीटर जमीन के नीचे जाकर विस्फोट कर सकते हैं। अमेरिकी प्रशासन का दावा था कि इस हमले से ईरान का परमाणु कार्यक्रम समाप्त हो गया है।

25 जून 2025 को, रॉयटर्स और सीएनएन सहित कई समाचार एजेंसियों ने एक प्रारंभिक अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसमें कहा गया कि हमलों से ईरान का परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह नष्ट नहीं हुआ। पेंटागन की रक्षा खुफिया एजेंसी (डीआईए) द्वारा तैयार इस रिपोर्ट में दावा किया गया कि हमलों ने फोर्दो और नतांज जैसी सुविधाओं के प्रवेश द्वारों को सील कर दिया, लेकिन भूमिगत संरचनाएं ढह नहीं सकीं। कुछ सेंट्रीफ्यूज और संवर्धित यूरेनियम का भंडार भी बरकरार रहा। इस रिपोर्ट के अनुसार, ईरान का परमाणु कार्यक्रम केवल कुछ महीनों के लिए प्रभावित हुआ। इस रिपोर्ट के लीक होने पर व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा, यह एक टॉप सीक्रेट रिपोर्ट थी, जिसे लीक कर के ट्रंप और हमारे सैनिकों को बदनाम करने की कोशिश की गई है। जब आप 30,000 पाउंड के 14 बम एकदम सही तरीके से गिराते हैं, तो नतीजा सिर्फ और सिर्फ तबाही होता है।

इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी संघर्षविराम के बाद देश को संबोधित करते हुए कहा कि, हमने ईरान के खिलाफ ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। ईरान अब कभी परमाणु हथियार नहीं बना पाएगा। अगर उन्होंने फिर से कोशिश की, तो हम पहले जैसी ही दृढ़ता और तीव्रता से जवाब देंगे।

संघर्षविराम के बाद ईरान ने संकेत दिया है कि वह अमेरिका के साथ परमाणु मुद्दे पर दोबारा वार्ता को तैयार है। राष्ट्रपति मसूद पेसेश्कियान ने कहा कि ईरान परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग के अपने वैध अधिकारों की रक्षा करता रहेगा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

सूरत में बाढ़ के बाद कचरे की उचित निकासी न होने से अब महामारी फैलने की आशंका

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में एक बार फिर बाढ़ के बाद कचरे की उचित निकासी न होने से अब महामारी फैलने की आशंका जताई जा रही है। लोगों के घरों और दुकानों में पानी भर जाने के बाद सोसाइटियों के बाहर लोगों ने कचरा निकालकर रखा है, लेकिन अभी तक उसकी सफाई नहीं हुई है। इससे अब बीमारियां फैलने का खतरा बढ़ गया है।

प्रभावित इलाकों के लोगों की शिकायत है कि कचरे को लेकर कई बार शिकायतें की गईं, लेकिन अधिकारी फोन नहीं उठाते और डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण करने वाले ठेकेदार कचरा उठाने नहीं आ रहे हैं। कचरे से बदबू फैल रही है और संक्रमण फैलने की पूरी संभावना बन गई है। घरों में रखा अनाज और अन्य सामान भीग चुका है।

मानसून से पहले नगर निगम द्वारा की जाने वाली प्री-मानसून तैयारियां कमजोर रही थीं, जिसके चलते भारी बारिश में शहर में पानी भर गया था। पानी की निकासी न होने से लोगों के घरों में लगभग दो फीट तक पानी भर गया था। पाल और पालनपुर इलाकों में जलभराव के समय तंत्र की विफलता के कारण लोगों को 36 घंटे से भी अधिक समय तक पानी का सामना करना पड़ा। सोसाइटी के बाहर और सार्वजनिक सड़कों पर कचरे के ढेर लग गए हैं।

पाल, पालनपुर की ही तरह वराछा और अन्य इलाकों में भी भारी मात्रा में कचरा निकला है, जिसे लोगों ने अपने घरों, सोसाइटी और सार्वजनिक जगहों पर ढेर के रूप में डाल दिया है। पिछले दो दिनों से ये कचरे के ढेर वहीं पड़े हैं, लेकिन नगर निगम द्वारा उसकी सफाई नहीं की जा रही। नगर निगम के अधिकारी और कर्मचारी फोन उठाते नहीं हैं और न ही कोई जवाब दे रहे हैं। वहीं डोर-टू-डोर कचरा एकत्रित करने वाली गाड़ियाँ भी इस कचरे को नहीं ले जा रही हैं, जिससे कचरा सड़ रहा है और बीमारी फैलने की आशंका बढ़ गई है। यदि नगर निगम जल्द से जल्द इसकी सफाई नहीं करता, तो महामारी फैलने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

सूरत में बाढ़ को लेकर विपक्ष ने सत्ताधारी नेताओं को जिम्मेदार ठहराया है और आरोप लगाया है कि समीक्षा बैठकों में काम की बजाय केवल नाश्ता-पानी ही होता है। विपक्ष का कहना है कि पिछले 30 वर्षों से भाजपा सूरत में सत्ता में है, लेकिन नेताओं की अक्षमता के कारण शहर बार-बार बाढ़ की चपेट में आ रहा है।

बुधवार को सूरत में आई खाड़ी की बाढ़ ने लोगों के घरों और दुकानों में पानी भर दिया, जिससे करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ है। इस साल पहले से ही बाढ़ की आशंका थी, इसलिए काम शुरू किया गया था, लेकिन प्रयास असफल रहे और फिर से बाढ़ आ गई।

नगर निगम में विपक्ष की नेता पायल साकरिया ने कहा कि इस साल मानसून की शुरुआत में ही पूरा शहर पानी-पानी हो गया। पिछले 30 साल से भाजपा के शासन में सूरत है, लेकिन नेताओं की नाकामी के चलते शहर के कई हिस्सों में पानी भर गया। हर साल मानसून पूर्व तैयारियों पर करोड़ों रुपये खर्च किए जाते हैं, लेकिन काम सही से नहीं होता, जिससे जनता को परेशानी होती है।

उन्होंने आरोप लगाया कि मानसून पूर्व जो समीक्षा बैठकें होती हैं, उनमें केवल चाय-नाश्ते की औपचारिकता निभाई जाती है, जबकि जमीनी स्तर पर कोई ठोस कार्य नहीं होता। खाड़ी के आसपास बड़ी-बड़ी मार्केट्स और कई अवैध कब्जे हो चुके हैं, लेकिन सत्ताधारी नेता इन कब्जों को हटाने की हिम्मत नहीं रखते क्योंकि उनके हित जुड़े हुए हैं।

लोग खून-पसीना बहाकर टैक्स भरते हैं, लेकिन भाजपा शासक इस तरह से उन्हें उसका बदला दे रहे हैं? पायल साकरिया ने यह भी आरोप लगाया कि जब सूरतवासी बाढ़ से जूझ रहे थे, तब मेयर मानसून की शुरुआत में ही विदेश यात्रा पर निकल गए थे।

इससे स्पष्ट होता है कि शासकों को जनता की कोई परवाह नहीं है।

सूरत में खाड़ी बाढ़ का आज तीसरा दिन है। पिछले चार दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश ने पूरे सूरत को जैसे जलमग्न कर दिया है। इस स्थिति से नाराज़ लोग प्रशासन पर नाराज़गी जता रहे हैं और कह रहे हैं कि तंत्र की कमजोर कार्यप्रणाली के कारण ही यह हालत बनी है। हालांकि, अब इस मामले में एक नया मोड़ सामने आया है।

पिछले चार दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण आई खाड़ी बाढ़ के लिए अब केवल प्रशासन नहीं, बल्कि कुछ स्थानीय लोग भी जिम्मेदार माने जा रहे हैं। लिंबायत के माधवबाग क्षेत्र में अभी भी खाड़ी का पानी नहीं उतरा है, और इसका कारण खुद स्थानीय लोग बताए जा रहे हैं। वर्ष भर के आयोजनों के बाद जो कचरा और अपशिष्ट जमा होता है, उसे निकालने के लिए जो छोटा रास्ता बनाया गया था, वही अब बाढ़ के पानी का प्रवेश द्वार बन गया है।

स्थानीय लोगों ने खाड़ी का पानी सोसायटी में न घुसे इसके लिए एक दीवार बनाई थी, लेकिन उसी दीवार में उन्होंने एक छेद कर दिया और उसमें अपशिष्ट डालने लगे, जिससे अब खाड़ी का पानी उतर नहीं रहा है और जलजमाव बना हुआ है।

इस बाढ़ का एक और कारण "झींगा तालाब"को बताया जा रहा है। आरोप लगाए जा रहे हैं कि झींगा तालाबों को नहीं हटाया गया, जिसके कारण सूरत को बार-बार खाड़ी बाढ़ का सामना करना पड़ रहा है। कमजोर राजनीतिक नेतृत्व और आंतरिक गुटबाजी के चलते खाड़ी के किनारे के क्षेत्रों में प्रभावी काम नहीं हो पाया है।

छह महीने पहले प्रभारी मंत्री की उपस्थिति में ही यह आशंका जताई गई थी कि झींगा तालाबों की वजह से खाड़ी में बाढ़ आ सकती है, जिससे लाखों लोग प्रभावित होंगे और करोड़ों का नुकसान होगा। इसके बावजूद अधिकारियों ने शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया। जबकि सूरत में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष, केंद्रीय मंत्री और तीन राज्य मंत्री मौजूद हैं, फिर भी मेयर की शिकायतों पर ध्यान नहीं दिया गया।

छह महीने पहले ही मानसून की तैयारी के लिए प्रस्तुतियाँ दी गई थीं, लेकिन सूरत की कमजोर नेतृत्वशैली और प्रशासन की धीमी कार्यप्रणाली के चलते एक बार फिर सूरत खाड़ी बाढ़ की चपेट में आ गया है।

अगर अब भी समन्वय नहीं किया गया और अवैध अतिक्रमणों को नहीं हटाया गया तो सूरत को भविष्य में और भी खाड़ी बाढ़ों के लिए तैयार रहना पड़ेगा। फिलहाल, सूरत से गुजरने वाली खाड़ी में बाढ़ को रोकने के लिए नए प्रयास किए जा रहे हैं। मींढोला नदी जहां समुद्र से मिलती है वहां झींगा तालाबों को तोड़ने की प्रक्रिया शुरू की गई है। इसके अलावा खाड़ी में बाढ़ के कारणों की जांच भी की जा रही है।

सूरत में खाड़ी बाढ़ का तीसरा दिन

नगर निगम की लापरवाही से लोग बेहाल

सड़क से लेकर घर तक सब कुछ पानी में डूबा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में सोमवार से शुरू हुई प्राकृतिक आपदा थमने का नाम नहीं ले रही है। यह सूरत में बारिश की आपदा का चौथा दिन और खाड़ी बाढ़ का तीसरा दिन है। तीसरे दिन भी शहर के कई इलाके जलमग्न हैं। सारोली, सणिया-हेमाद, कुम्भारिया, गोदादरा जैसे कई क्षेत्रों में अब भी पानी भरा हुआ है।

खासतौर पर लैंडमार्क टेक्सटाइल मार्केट के पीछे स्थित मॉडर्न टाउनशिप के करीब 300 परिवार पिछले तीन दिनों से बाढ़ से प्रभावित हैं और उन्हें भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। खाड़ी बाढ़ के तीसरे दिन भी किनारे के कई इलाकों से पानी की निकासी नहीं हो पा रही है, जिससे अब बिजली के झटके का खतरा भी मंडरा रहा है।

सूरत में मानसून की शुरुआत के साथ ही प्राकृतिक आपदा ने दस्तक दे दी है। नगर निगम की कमजोर कार्यप्रणाली और नेताओं की निष्क्रियता के चलते सूरतवासी एक बार फिर खाड़ी बाढ़ की चपेट में आ गए हैं।

बाढ़ का आज तीसरा दिन है लेकिन खाड़ी का पानी उतरने का नाम नहीं ले रहा। मॉडर्न टाउनशिप के 300 परिवारों की स्थिति बेहद खराब हो गई है। आवाजाही संभव न होने के कारण इलाके में बैरिकेडिंग कर दी गई है। बारिश अभी भी जारी है, जिससे लोगों की मुसीबतें बढ़ती जा रही हैं।

कडोदरा रोड स्थित भारत कैंसर हॉस्पिटल के मुख्य मार्ग पर भी पानी भर गया है, जिससे मरीजों और स्टाफ को आवाजाही में दिक्कत हो रही है।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अब जरूरत है कि प्रशासन तुरंत सक्रिय हो और जलनिकासी व राहत कार्य तेज़ करे, नहीं तो स्थिति और बिगड़ सकती है।

27 से 29 जून के बीच भारी बारिश का अलर्ट

राज्य में आगामी 27 से 29 जून के दौरान कच्छ, मोरबी, देवभूमि द्वारका, जामनगर, पाटन, बनासकांठा, साबरकांठा, मेहसाणा, अमरेली, भावनगर, अरावली, महिसागर, दाहोद, नवसारी, वलसाड, गांधीनगर और पंचमहल जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है।

सूरत में खाड़ी बाढ़ में तीन दिन से फंसी गर्भवती महिला बोट की मदद से पहुंचाई गई अस्पताल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में भारी बारिश के चलते पिछले तीन दिनों से कई इलाकों में पानी भरा हुआ है, जिसकी निकासी अब तक नहीं हो सकी है। इससे लोग घरों में कैद होकर रह गए हैं। ऐसे में गुरुवार, 26 जून को एक गर्भवती महिला को खाड़ी बाढ़ से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाने के लिए बोट की मदद लेनी पड़ी। यह घटना दर्शाती है कि नगर निगम का तंत्र पूरी तरह से विफल रहा है।

पिछले मंगलवार से सूरत का आधा शहर खाड़ी बाढ़ की चपेट में है। 26 जून को गीतानगर क्षेत्र में 3 से 4 फीट तक पानी जमा था। इसी इलाके में रहने वाली 8 माह की गर्भवती महिला की तबीयत अचानक बिगड़ गई और उन्हें प्रसव पीड़ा शुरू हुई। घर के बाहर भरे पानी के कारण यह चिंता खड़ी हो गई कि उन्हें अस्पताल कैसे ले जाया जाए। जब प्रशासन को सूचना दी गई तो फायर ब्रिगेड की टीम मदद के लिए पहुंची।

फायर ब्रिगेड के जवानों ने बोट की मदद से गर्भवती महिला ग़ौरीबेन शर्मा का रेस्क्यू कर सुरक्षित अस्पताल पहुंचाया। स्थानीय लोगों का कहना है कि फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीम पिछले चार दिनों से लगातार राहत कार्यों में लगी है, लेकिन नगर निगम का तंत्र पूरी तरह से नदारद है। पानी की निकासी को लेकर कोई ठोस व्यवस्था नहीं की गई है,जिससे लोग काफी परेशान हैं। व्यापारियों को भी भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

एक चप्पल के लिए दो मेडिकल छात्रों ने गंवाई जान

दोनों परिवारों ने खोया इकलौता बेटा शवों को वडोदरा से भेजा गया वतन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वडोदरा की GMERS गोतरी मेडिकल कॉलेज के तीसरे वर्ष में पढ़ रहे चार छात्र 25 जून, 2025 को अंकोडिया नर्मदा नहर के पास घूमने गए थे। इस दौरान दो छात्रों की नहर में डूबने से मौत हो गई। दोनों के परिवारजन सायाजी अस्पताल वडोदरा पहुंचे, जहां शव देख कर बेहद भावुक दृश्य देखने को मिले।

सूरत से आए आदित्य और जामनगर के प्रेम अपने माता-पिता के सपनों को पूरा नहीं कर सके। दोनों परिवारों ने अपने इकलौते बेटे को खो दिया। एक चप्पल को निकालने के चक्कर में दोनों की जान चली गई। इनमें से एक परिवार ने अंगदान करके समाज के लिए मिसाल कायम की, वहीं दूसरे परिवार ने भावुक अपील की कि ऐसी घटनाएं समाज में दोबारा न हों।

आदित्य के पिता ने बताया कि चार दोस्त नहर के किनारे टहलने गए थे। इसी दौरान एक छात्र की चप्पल पानी में गिर गई। उसे निकालने एक छात्र गया, तो दूसरा उसे पकड़कर सहारा देने लगा, लेकिन फिसलन के कारण दोनों नहर में गिरकर डूब गए। आदित्य की अपनी मां से खास लगाव था,

आदित्य के पिता ने कहा, "जो जीवन में आता है, वो वापस जाता है। लेकिन अगर मरने के बाद भी जीवित रहना है तो अंगदान करें। हमने हिम्मत दिखाते हुए अंगदान की मंजूरी टेलीफोन पर ही दे दी थी, लेकिन केवल उनकी आंखें ही डोनेट की जा सकीं। बाकी अंग उपयोगी नहीं थे।"

गोत्री मेडिकल कॉलेज के डॉ. हितेश राठौड़ ने कहा कि आदित्य और प्रेम दोनों कॉलेज के तीसरे वर्ष के छात्र थे। जब परिवार ने अंगदान की इच्छा जताई तो हमें दुख के साथ गर्व की भी अनुभूति हुई। उनकी बहन की अनुमति लेकर दोनों आंखें डोनेट की गईं। मृत्यु के बाद भी अगर हम किसी के जीवन में रोशनी ला सकें, तो यह एक महान उदाहरण है।

25 जून की शाम वडोदरा के बाहरी क्षेत्र अंकोडिया में स्थित नहर पर घूमने गए चार छात्र बारिश का आनंद ले रहे थे। इस दौरान एक छात्र की चप्पल पानी में गिर गई, जिसे निकालने वह गया। दूसरा छात्र उसे सहारा देने लगा, लेकिन फिसलन के कारण दोनों नहर में गिर पड़े।

घटना की जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। काफी प्रयासों के बाद शाम को दोनों के शव बरामद हुए और गोट्री मेडिकल कॉलेज के कोल्ड रूम में रखे गए। बाद में दोनों के शव उनके गृह जिलों—सूरत और जामनगर—भेजे गए।

SMC के दो स्कूलों में मनाया गया स्कूल प्रवेशोत्सव

देश की एकमात्र पालिका जो विभिन्न भाषाओं में शिक्षा देती

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नगर प्राथमिक शिक्षा समिति द्वारा संचालित महाराजा कृष्णकुमारसिंहजी प्राथमिक विद्यालय और श्री प्रमुखस्वामी महाराज प्राथमिक विद्यालय रखा गया है, जहां स्कूल प्रवेशोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों, अभिभावकों और स्टाफ की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। राज्य के शिक्षा और गृहमंत्री हर्ष संघवी ने भी कार्यक्रम में उपस्थित रहकर बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

सूरत महानगरपालिका द्वारा संचालित नगर प्राथमिक शिक्षा समिति के विद्यालय में प्रवेशोत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें राज्य के गृहमंत्री हर्ष संघवी शामिल हुए। उन्होंने बच्चों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं और स्कूल बैग, किताबें व अन्य सामग्री उपहार स्वरूप भेंट की। इसके साथ ही बारिश के मौसम में बच्चों को परेशानी न हो, इस उद्देश्य से उन्होंने अपनी ओर से 1,000 छतरियां भी विद्यार्थियों को वितरित कीं।

यह सूरत महानगरपालिका द्वारा संचालित एकमात्र ऐसी स्कूल है, जहां जितने बच्चे पढ़ते हैं, उससे चार गुना अधिक आवेदन स्कूल प्रवेश के लिए आते हैं।

पहले सरकारी स्कूलों की छवि जैसी थी, उसमें अब बदलाव आया है। अब अभिभावक भी अपने बच्चों को पालिका स्कूलों में पढ़ाने के लिए आगे आ रहे हैं। सूरत महानगरपालिका द्वारा शिक्षा के स्तर को सुधारने के प्रयासों के परिणामस्वरूप अब कई ऐसी स्कूलें हैं, जहां बच्चों की तुलना में चार गुना अधिक अभिभावक प्रवेश के लिए आवेदन कर रहे हैं, जो यह दर्शाता है कि आज लोग सरकारी स्कूलों की ओर फिर से भरोसे के साथ देख रहे हैं।

स्वामीनारायण गुरुकुल में त्रिदिवसीय कार्यक्रम

धर्मजीवन भावांजलि पर्व में सेवाकार्य और कथामृत का आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुरुकुल के संस्थापक गुरुदेव शास्त्रीजी महाराज धर्मजीवंदासजी स्वामी के पृथ्वी पर पदार्पण के 124वें वर्ष के उपलक्ष्य में त्रिदिवसीय धर्मजीवन भावांजलि पर्व महोत्सव वेडरोड स्थित श्री स्वामीनारायण गुरुकुल में मनाया जाएगा। रथयात्रा के पावन दिन यह महोत्सव पूज्य गुरुवर्य श्री देवकृष्णदासजी स्वामी की उपस्थिति में प्रारंभ होगा। वर्तमान में 275 संत और 40 हजार से अधिक विद्यार्थी श्री देवकृष्णदासजी स्वामी के सान्निध्य में विद्या, सद्विद्या और ब्रह्मविद्या प्राप्त कर रहे हैं।

स्वामीजी दिनांक 26 की सुबह 10 बजे पधारे, जिनके स्वागत में 108 केसरिया ध्वजधारी बाइक सवारों की शोभायात्रा निकाली गई। वर्षा के मौसम में गुरुकुल के विद्यार्थियों ने छतरियाँ लेकर स्वामीजी का स्वागत किया। प्रभु स्वामी ने लालाजी श्री हरिकृष्ण महाराज का चंदन से चरण पूजन किया। वेडरोड गुरुकुल के महंत धर्मवल्लभदासजी स्वामी ने गुरुवर्य श्री देवकृष्णदासजी स्वामी को पुष्पहार पहनाकर स्वागत और पूजन किया।

प्रभु स्वामी के अनुसार भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा के लिए संतों, विद्यार्थियों और युवाओं द्वारा रथ को सजाया गया है। रथयात्रा के पवित्र दिन गुरुकुल द्वारा पिछले 15 वर्षों से रथयात्रा निकाली जाती रही है।

देवकृष्णदासजी स्वामी दोपहर 3:00 बजे भगवान श्री जगन्नाथजी की आरती करके रथयात्रा का शुभारंभ करेंगे। उससे पूर्व श्री धर्मवल्लभदास स्वामी द्वारा भगवान का राजोपचार सहित पूजन किया जाएगा। दर्शन हेतु आने वाले श्रद्धालुओं को अंकुरित मूंग और चने का प्रसाद वितरित किया जाएगा। रास्ते में सोसायटियों के द्वारों पर रथ में विराजमान भगवान जगन्नाथ की महिलाएं आरती कर अपनी भक्ति अर्पित करेंगी।

रथयात्रा वेडरोड गुरुकुल से निकलकर धर्मजीवन चौक, अंकुर चार रास्ता, ललिता चौकड़ी, कंतारेश्वर महादेव मंदिर, धनमोरा, वालीनाथ चौक, सिंगणपुर चार रास्ता, डभोली चार रास्ता होते हुए शाम 7:00 बजे गुरुकुल वापस पहुंचेगी। वहां एक भव्य सत्संग सभा का आयोजन किया जाएगा।